दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO-
UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 331 मुरादाबाद, 02 April 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मुख्यमंत्री योगी ने स्कूल चलो अभियान का किया शुभारंभ, निपुण आकलन में उत्तीर्ण बच्चे हुए सम्मानित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को स्कूल चलो अभियान व संचारी रोग अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत स्कूल छोड़ चुके बच्चों को स्कूलों से जोड़ने का अभियान प्रारंभ किया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में संचारी रोग नियंत्रण अभियान और स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को पुस्तकें भी भेंट की। कार्यक्रम में निपुण आकलन में उत्तीर्ण होने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में शिक्षक मैनुअल और कलेंडर

का भी विमोचन किया। प्रदेश सरकार ने बीते चार वर्ष में स्कूल छोड़ चुके बच्चों को वापस स्कूल लाने का प्रयास किया है। इसके लिए स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा है।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान और स्कूल चलो अभियान एक साथ शुरू होने का फायदा पूरे प्रदेश को मिलेगा इससे प्रदेश में भी परिवर्तन होगा। पिछली सरकारों ने बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। आज 90 फीसदी से ज्यादा स्कूल कायाकल्प अभियान में बदल गए हैं। मांटेसरी स्कूल बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सम्मानित लोगों को आगे किए जाने से स्कूलों का सीन बदल गया है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान में पांच करोड़ परिवार से संपर्क करेंगे। इसके तहत सफाई और रोग नियंत्रण आदि के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि आशावर्कर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी का अभियान पूरे देश में सराहा गया है। अब पूरे देश में इसे चलाया जाएगा। इस अभियान में 10 विभाग लगाए गए हैं। सभी का समन्वय है। जापानी इंसेफलाइटिस का समापन हुआ है और अन्य बीमारियां भी कम हो रही हैं।

मध्यप्रदेश को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात, PM मोदी ने दिखाई हरी झंडी

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली वंदे भारत एक्स्प्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। वंदे भारत ट्रेन का लोकार्पण हाईटेक कमलापति रेलवे स्टेशन पर पीएम मोदी ने किया। पीएम मोदी ने कहा, एमपी को पहली वंदे भारत ट्रेन मिली है, जो प्रदेश के लोगों को कई सुविधाएं देगी और क्षेत्र के विकास का माध्यम बनेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय रेलवे देश के छोटे शिल्पकारों और कारीगरों के काम को देश के हर कोने तक पहुंचाने का माध्यम बन रही है। अब वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत कई जगहों पर 600 आउटलेट बनाए जा चुके हैं, जहां से करीब एक लाख लोग खरीदी कर चुके हैं। आज देश में अनेकों रेलवे स्टेशनों का आधुनिकरण किया जा रहा है। आज देश के छह हजार स्टेशनों पर वाई-फाई लगाए जा चुके हैं। वहीं, 900 से ज्यादा स्टेशनों पर सीसीटीवी लग चुका है। वंदे भारत एक्सप्रेस तो पूरे देश में हमारी युवी पीढ़ी में सुपरहिट हो चुकी है। साल भर इन ट्रेनों की सीटें फुल जा रही हैं। देश के हर कोने से इस ट्रेन को चलाने की मांग की जा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले सांसद कहते थे फलानी ट्रेन इस स्टेशन पर रोकने की व्यवस्था हो, लेकिन आज मुझे गर्व है। जब सांसद मांग करते हैं कि हमारे यहां भी वंदे भारत जल्द से जल्द चालू हो। रेलवे यात्रियों की सुविधा बढ़ाए जाने का अभियान तेजी से चल रहा है।

पीएम ने बताया कि देश के बजट में रिकॉर्ड धन राशि रेलवे के लिए आवंटित की गई है। पहले संसद में रेलवे के विकास की बात होते ही घाटे की बात होने लगती थी, लेकिन अगर विकास की इच्छाशक्ति हो और नीयत साफ हो तो नए रास्ते निकल आते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि हर साल रेलवे के बजट को हमेशा बढ़ाया गया है। अब एमपी में 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रेलवे बजट है, जबकि साल 2014 से पहले केवल 600 करोड़ रुपये रेलवे बजट था। पीएम ने कहा कि आज रेलवे में कैसे आधुनिकरण हो रहा है। इसका एक उदाहरण इलेक्ट्रिफिकेशन का काम भी है। देश के किसी न किसी हिस्से में रेल नेटवर्क का शत प्रतिशत बिजलीकरण हो चुका है। इन 11 राज्यों में मध्यप्रदेश भी शामिल है साल 2014 ले पहले 600 किमी का इलेक्ट्रिफिकेशन होता था, अब 6000 किलोमीटर का इलेक्ट्रिफिकेशन हो रहा है। अब मध्यप्रदेश पुरानी चीजों को पीछे छोड़कर विकास की नई गाथा लिख रहा है।

10 माह बाद जेल से निकले नवजोत सिद्धू, कहा- राहुल गांधी क्रांति है, वो सरकार को हिला देंगे

पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू शनिवार को दस माह बाद पटियाला की सेंट्रल जेल से रिहा हो गए। 59 वर्षीय कांग्रेस नेता सिद्धू ने 1988 के रोड रेज के मामले में एक साल की सजा काटी। पिछले साल 20 मई को सुप्रीम कोर्ट के एक साल सश्रम कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद सिद्धू ने पटियाला की एक अदालत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। उनके समर्थक सुबह से ही पटियाला जेल के बाहर जुटने लगे थे। ढोल वालों को भी बुलाया गया था। इसके बाद सिद्धू की रिहाई का इंतजार शुरू हुआ। पहले दोपहर 12 बजे उन्हें रिहा करने की बात कही जा रही थी,

लेकिन पेपर वर्क पूरा होते होते शाम हो गई। शाम छह बजने से कुछ मिनट पहले सिद्धू जेल से बाहर निकले। समर्थकों की नारेबाी पर सिद्धू ने झुककर उनका अभिवादन किया। जेल से बाहर आए सिद्धू ने अपने चिरपरिचित अंदाज में कहा कि सत्य को दबाने का प्रयास सफल नहीं हो सकता। आज लोकतंत्र बेड़ियों में है।

बाहर आकर राहुल को बताया क्रांति

बाहर आने के बाद सिद्धू ने अपने चिरपरिचित अंदाज में कहा कि सत्य को दबाने का प्रयास सफल नहीं हो सकता। आज लोकतंत्र बेड़ियों में है। सिद्धू ने कहा कि पंजाब में राष्ट्रपति शासन लाने की साजिश की जा रही है। अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। पंजाब को कमजोर करने की कोशिश की तो कमजोर हो जाओगे। अभी लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे दोपहर के आसपास रिहा किया जाना था लेकिन उन्होंने इसमें देरी की। वे चाहते थे कि मीडिया के लोग चले जाएं। इस देश में जब भी कोई तानाशाही आई है तो एक क्रांति भी आई है और इस बार उस क्रांति का नाम है राहुल गांधी. वह सरकार को हिला देंगे।

पंजाब कांग्रेस प्रधान ने ट्वीटर पर किया स्वागत

पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने सिद्धू की रिहाई से पहले एक ट्वीट कर उनका स्वागत किया। वड़िंग ने ट्वीट किया- नवजोत सिंह सिद्धू का स्वागत है। जैसे ही आप सभी पंजाबियों की सेवा में सार्वजनिक जीवन शुरू करेंगे, आपसे जल्द ही मिलने की उम्मीद है।

मछुआरों के लिए बजट न मिलने से नाराज हुए मंत्री डॉ. संजय निषाद, बोले - सीएम से शिकायत करूंगा

मछुआ कल्याण कोष के लिए बजट जारी न होने पर नाराज हुए मत्स्य मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि यह मछुआरों का अपमान है। वह मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात करेंगे। मछुआ कल्याण कोष के लिए फूटी कौड़ी न मिलने पर भाजपा के सहयोगी दल निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मत्स्य मंत्री डॉ. संजय निषाद बेहद नाराज हैं। उन्होंने कहा कि यह मछुआरा समुदाय का अपमान है। अगर संकल्प पत्र में घोषित कार्य के लिए भी पैसा नहीं मिलेगा तो कैसे काम चलेगा। वह इसकी शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से करेंगे। गौरतलब है कि भाजपा ने अपने चुनावी संकल्प पत्र में मछुआ कल्याण कोष गठित करने की घोषणा की थी। डॉ. निषाद ने बताया कि इसके बजट में 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया लेकिन अभी तक एक पैसा भी नहीं मिला। इस मद से मछुआरा समुदाय के लोगों को बरात घर, सामुदायिक भवन, शिक्षा, उपचार आदि में मदद के लिए पैसे दिए जाने थे। जब पैसा मांगा गया तो वित्त विभाग ने यह कहकर आपत्ति लगा दी कि अभी लाभार्थियों का चयन नहीं हुआ है। मंत्री के मुताबिक 300 लाभार्थियों की सूची भेजी गई। इसके बावजूद वित्त विभाग ने धन जारी नहीं किया गया। उन्होंने इस संबंध में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और अपर मुख्य सचिव वित्त प्रशांत त्रिवेदी से बात की तो उन्होंने बजट देने से इन्कार कर दिया। डॉ. निषाद का कहना है कि जब पैसा ही नहीं देना था तो क्यों इस कोष का गठन किया गया।

अखिलेश यादव बोले- जिस सरकार को व्यापारियों की मदद करनी चाहिए, वही उनका उत्पीड़न कर रही है

कानपुर = पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को यहां बांसमंडी स्थित कपड़ा मार्केट का अग्निकांड पर दुःख जताते हुए कहा कि सरकार को उनकी मदद करनी चाहिए। व्यापारियों की समस्याओं को लेकर उन्होंने कहा कि जिन विभाग व सरकार को व्यापारियों की मदद करनी चाहिए। वही उनका उत्पीड़न कर रहे हैं। पहले नोटबंदी से परेशान थे उसके बाद व्यापारी जीएसटी से परेशान हो रहे हैं।अधिकारी जाति-धर्म के आधार पर चिह्नित कर उनके यहां छापेमारी कर रही है। उत्तर

प्रदेश में रिकार्ड निकलवाएं जाएं तो देखेंगे कि सबसे ज्यादा जाति-धर्म को देखकर छापा मारा गया है। व्यापारियों के यहां छापेमारी कर उनसे शुल्क लिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जाति जनगणना हो और जनगणना करके सभी को आबादी के हिसाब से उनको आरक्षण मिले। अधिकारी जाति-धर्म के आधार पर चिह्नित कर उनके यहां छापेमारी कर रही है। उत्तर प्रदेश में रिकार्ड निकलवाएं जाएं तो देखेंगे कि सबसे ज्यादा जाति-धर्म को देखकर छापा मारा गया है। व्यापारियों के यहां छापेमारी कर उनसे शुल्क लिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जाति जनगणना हो और जनगणना करके सभी को आबादी के हिसाब से उनको आरक्षण मिले।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

संपादकीय Editorial

Don't teach german democracy

The BJP and the Congress are once again at loggerheads on the issue of Rahul Gandhi and Indian democracy. In the press briefing of the Foreign Ministry of Germany, it is expected that while taking action against Rahul Gandhi, the standards of judicial independence and basic democratic principles should be taken care of. Senior Congress leader Digvijaya Singh thanked Germany for paying attention to the compromises being made with democracy in India. Congress General Secretary Jairam Ramesh's statement tells something else. Actually this chapter should be closed now. Congress leader Rahul Gandhi's MP has been rejected technically and constitutionally. It is worth mentioning in this context that when the Supreme Court had given a decision to cancel the membership of Parliament and Legislative Assembly on the declared judicial punishment of two years, the then Prime Minister Dr. Manmohan Singh's cabinet had passed an ordinance. That was the retort of the judiciary. Through the ordinance, provisions were made to save tainted and convicted leaders. Rahul Gandhi suddenly went to the Press Club of India and tore the copy of that ordinance and said – 'Nonsense!' As a result, the cabinet had to decide to withdraw that ordinance. Had the ordinance been implemented legally today, Rahul's parliament would have been saved. However, now the decision of the Supreme Court is in force. Under that, the membership of 15-20 leaders has been cancelled. Some examples are Jagdish Sharma in fodder scam, JD-U MP Mitrasen Yadav, former Union Minister and Congress MP Rashid Masood, former Union Minister Lalu Yadav, former Tamil Nadu Chief Minister Jayalalithaa and former Congress MP Rashid Alvi etc. No country has taught us the lesson of democracy and judicial independence on someone's dismissed parliamentarian. Germany was also ruled by dictator Hitler, so it has dictatorship in its traditions. What advice can he give to India, the world's largest and oldest democracy? Rahul Gandhi had definitely expressed this desire in London that the countries of America and Europe consider themselves as protectors of democracy. Let them pay attention to what is happening in a democracy of a big country? Their desire for foreign interference has been partly fulfilled. Rahul has legal options even today. They have to choose between Indian law and foreign interference. He can still challenge in the court. He should also go to the court, as the Patna High Court has also sent a notice to appear on April 12. BJP MP and former Deputy Chief Minister of Bihar Sushil Modi had also filed a defamation case in the context of 'Modi surname waale hi chor..'. Rahul can request the hearing of all such cases at one place by pleading in the court. The way Lakshadweep MP Muhammad Faisal's parliamentarianship has been restored through the court, similarly it is possible in the case of Rahul as well. How effective can Germany's statement prove? America and European countries have been giving advice to the Government of India regarding human rights, minority protection and freedom of expression. Who can teach a lesson to Indian democracy? India has good relations with all the big countries. This is not the India of the 1960s, '70s, '80s and '90s. India today is the 5th largest economy in the world. Rahul Gandhi's case is India's own internal matter. Another humble advice to Rahul Gandhi is to curb the sycophantic Congressmen. l campaign. He has to work hard to win the trust of the public. He has to surround the government on issues of public interest. At the same time other opposition parties have to make him believe that he is the only party who can lead the opposition and without him it is difficult to shake the Modi government.

Defamation case: Will Rahul Gandhi be able to convert 'sympathy' into political victory?

The biggest problem of Rahul Gandhi is that while speaking, he does not think much about political profit-loss and its overall results. They don't realize when and how what will be the effect of speaking? The problem of language is with them. They think in English and speak in Hindi, which often leads to loss of meaning. The manner in which the Surat court's decision against Congress leader Rahul Gandhi in the defamation case came, the manner in which Rahul's membership in the Lok Sabha was terminated as soon as the verdict came, and the way the BJP has intensified its attacks on Rahul Gandhi, So it is clear that the Modi government and the BJP are now considering Rahul Gandhi as a potential threat. Otherwise, till some time ago, BJP was limited to making fun of Rahul by considering him as 'Pappu'. On the other hand, Rahul and the Congress are trying to give the whole incident the color of 'political vendetta' and give the form of 'martyrdom' to his loss of parliament membership. They are also in no hurry to approach the higher court against the lower court's decision. Congressmen believe that all these incidents will increase public sympathy towards Rahul and its benefits will be given to the Congress and indirectly to the opposition. This simply means that the next Lok Sabha election could again turn into Modi versus Rahul, although such an atmosphere was created in 2014 as well, in which Rahul failed miserably. To recreate the same atmosphere, its first test is how serious Rahul is about his work, statements and organizational ability. The public does not weigh the leader only on the basis of membership. She also observes and tests the leader on the factors of courage to take risks, commitment, determination and decision-making ability. On these scales, Rahul still does not appear very serious. While he does not have much time left (in view of the next Lok Sabha elections). Rahul benefits from 'Bharat Jodo Yatra'- There is no doubt that 'Bharat Jodo Yatra' has improved Rahul's image. This is the reason why the Modi government and the BJP, which have allowed Rahul's yatra to pass without conflict, are working on their next strategy after analyzing the far-reaching consequences of this yatra. During the four-month-long yatra, Rahul Gandhi generally avoided making controversial statements. Even if the matter went awry once or twice, the senior colleagues somehow handled it. After that, the comments made by Rahul Gandhi on Indian democracy and the Modi government during his visit to Britain, the attacks on Modi in the parliament regarding Adani, have raised eyebrows of the government, the BJP and the Sangh. After these statements, questions were raised on Rahul's intentions. Rahul's response to India's internal issues abroad was seen as his political immaturity. Many believe that Rahul, who used to fight inside the house, should have kept his word in such cases. Making Rahul's statements an issue, the BJP did not allow the Parliament to run for his apology in the Parliament. This happened probably for the first time that the ruling party itself was not allowing the Parliament to function. The BJP was not allowing Rahul to speak in the Parliament. On the other hand, Rahul also refused to apologize for his statements. However, he was ready to give an explanation. But even in this explanation, he could have said some such things, which could have made the Modi government uncomfortable. Rahul 19 years ahead of Modi in thinking of long-term consequences- The biggest problem of Rahul Gandhi is that while speaking, he does not think much about political profit-loss and its overall results. They don't realize when and how what will be the effect of speaking? The problem of language is with them. They think in English and speak in Hindi, which often leads to loss of meaning. Lack of mastery over Hindi is such a fundamental weakness of Rahul Gandhi, due to which he will have to suffer further. In contrast to him, Prime Minister Narendra Modi, despite being Gujarati speaking, has imbibed Hindi idioms so deeply that 70 percent of the people of the country can easily understand his words. If Rahul really wants to become a capable face of the opposition, then he will also have to understand that politics can and should be done only through political means. Because the ultimate truth of politics is the attainment of power and not the search for truth or the attainment of salvation. Politics usually runs more on half-truths. In which there is always a scope of favorable interpretation of thoughts, events and perceptions. This is a clever, cunning game which can be played even by wearing the cover of gentleness. What you say in politics, the sarcasm or explanation, is not a parrot rote, it has its own vision and thinking, the leader has to realize this again and again. Many believe that after the 'Bharat Jodo Yatra', Rahul Gandhi's image in the eyes of liberals has also improved, but this change is not enough to establish him as the top leader of the country. Rahul is still making those mistakes which he has done before. Everyone makes mistakes, but a sensible person and politician avoids repeating mistakes as much as possible. Even if he makes a new mistake. It is also ironic that Rahul Singh openly tore the ordinance brought by the Manmohan Singh government during UPA 2 and if it became a law, he himself could have escaped the punishment of defamation today. But then Rahul tore that ordinance by calling it a savior to the corrupt. Congress did not benefit from his act, on the contrary, the Manmohan government itself was corrupted.She got embroiled in serious allegations of corruption and created a wrong image of Rahul's non-seriousness towards the works of his own government. This only sent the message that Rahul is a stubborn leader and says and does whatever he thinks is right. Even now, there doesn't seem to have been any significant difference in this mindset. In the last eight years, he had to either apologize or give clarifications for his statements thrice. Effect of statements on Savarkar- Rahul's statement on Hindutvaist VD Savarkar rattled the opposition unity. The Shiv Sena included in the Maha Vikas Aghadi clearly said that Savarkar is their idol, while the Nationalist Congress said that they would not listen to anything against Savarkar. Later it was decided that Rahul would remain silent on Savarkar, but for how long it would remain so, it is not clear. If Savarkar's acquittal by apologizing to the British Government is the only basis for his criticism, then it is said that he did so five times. But Rahul has already apologized in three different cases. Lest it happen that he goes ahead of Savarkar in this matter. Even after all this, when he said that 'I am not Savarkar, who will not apologise', the question arose on what basis Rahul is comparing himself with Savarkar. What has he done in 52 years that the country should consider him as its leader. Savarkar lived in Andaman's Cellular Jail for 14 years, but Rahul has no such experience of struggle. As far as the Congress is concerned, it has always taken care of the public sentiment of Maharashtra in the matter of Savarkar. Rahul's grandmother Indira Gandhi also issued a postal stamp on Savarkar in 1970. The reason for this is that even though Savarkar is the propounder of the ideology of Hindutva, even though he has been freed from the punishment of black water by giving an apology, the majority of the people of Maharashtra consider his patriotism and nationalism to be unquestionable. In that sense, he is a big icon. If Rahul makes comments without understanding this, then the palace of opposition unity will never stand properly. Secondly, Rahul still doesn't seem to be doing anything concrete on that front, which is necessary to make organizational reforms in the Congress, to make it militant and to create a lust for power. There is a world of difference between playing in the field and coaching sitting outside. Despite this, one thing seems to be going in favor of Rahul and that is that he is showing courage to attack the Modi government, BJP and Sangh. Presenting himself as a victim, so that he can get sympathy of the people. However, it would be wrong to assume that the BJP would be unaware of this danger. But the politician should also have the art of turning 'victimization' into his own and his party's political favor. That is, sympathy should be converted into votes as well, its quality is needed. For example, Rahul's grandmother (and probably the most successful and courageous Prime Minister of all time) Indira Gandhi foiled the Janata government's move to eliminate her politically after the Emergency with this victim card, and again in 1980 With power she got hold of power. Prime Minister Narendra Modi is expert in the art of turning every personal attack on him into his strength. Because no matter how valuable, honest Rahul tries to describe himself, if the Congress is not able to get any political benefit from his power, then it has no special meaning. At the most it can be his personal achievement. From the political point of view, there doesn't seem to be any qualitative change in Rahul. Without this it is very difficult to defeat Modi and BJP in the next elections.

merits and demerits of construction

If the parts of quality get scattered in the stake of Navnirman, then why shouldn't it be considered as the crime of the century. The collapse of an under-construction bridge in Hamirpur showed the gaps in our achievements. This is not the fall of a slab, but questions are being raised on the design of construction, departmental functioning and implementation of development works. We can brush it off as a slight impertinence, carelessness or inexperience, but it is a part of the pattern under which government projects across Himachal Pradesh are getting mired in mud. Obviously there is no dearth of budget or funds and no dearth of projects, but the pattern has become such that neither innovation nor sensitivity towards quality is coming to the fore in engineering. All one needs is an inauguration plaque and by which to prove that the work is done. Although all the departments have opened their technical wings in construction works in Himachal, but the main role of the PW department is not coming to the fore. The meaning of development for the mountainous environment, the means of development, the solution of development and its uniqueness is not only a process, but research in its special concept and cognizance of all the warnings are needed. First of all, in the process of site selection, determination to determine the role of land trend, geographical condition and design should come to the fore. Of course, the materials for making bridges, culverts and future bridges will remain the same, but the difference is only in commitment and hard work. If seen in entire Himachal, buildings or other constructions are going on in full swing, but the future construction remains to be seen. Development Department in Solan, nor has anyone taken cognizance of the growing challenges. It has become an apartment city of the state in no time, but no definition has been given for it. Similarly, mountains are being eroded across the state, natural drainage channels are blocked, and clusters of buildings sit on the sides of roads from the valley side without norms. Due to political interference, permission for construction has become routine even in the green areas which have been seen by TCP, then there is a graveyard somewhere in every city. Even if the government construction is not divided into merit and demerit, in terms of progress, Himachal is showing such negligence towards the infrastructure of its future that questions are raised on the quality of the construction.

जिलाधिकारी ने पोषण पखबाडे के अर्न्तगत गर्भवती महिलाओं को मोटे अनाज की किट का किया वितरण

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

मुरादाबाद- जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में तहसील ठाकुरद्वारा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवसों में आने वाली जनशिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को निर्देश दिये कि आईजीआरएस शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण न होने के कारण डिफाल्टर होने से जनपद की ग्रीडिंग खराब हो रही है, हमें न केवल शिकायतों का निस्तारण करना है बल्कि शिकायत कर्ता को सही बात बताकर संतुष्टि भी देनी है। उन्होंने कहा कि अधिकारी शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण समय के साथ निस्तारण करें। मुख्यमंत्री कार्यालय से आईजीआरएस शिकायतों की निरन्तर मानीटरिंग हो रही है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रतिदिन कार्यालय में एक घण्टा बैठकर जनशिकायतों को अवश्य सुने ताकि शासन की मंशानुरुप शिकायतों का समय से निदान हो। यदि कहीं भ्रमण पर जाना है तो मूवमेंट रजिस्टर में एंट्री करके ही भ्रमण पर जाये। उन्होंने कहा कि लाभार्थीपरक योजनाओं को ठीक प्रकार से क्रियान्वय करें, पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ अवश्य मिलें। उन्होंने कहा कि हम और बेहतर करने की दिशा में सब मिलकर प्रयास करें, ताकि जनपद का बेहतर फीडबैक बना रहें। जिलाधिकारी द्वारा तहसील ठाकुरद्वारा में पोषण पखबाडे के अर्न्तगत गर्भवती महिलाओं को मोटे अनाज की किट का भी वितरण किया गया तथा बच्चों को अन्नप्राशन्न भी कराया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आवेदकों द्वारा जो प्रार्थना पत्र प्रेषित किए जायें उनमें आवेदक का अथवा उसके किसी परिचित का मोबाइल नम्बर अनिवार्य रुप से दर्ज किया जाये। प्रार्थना पत्र दर्ज होने के पश्चात् सम्पूर्ण समाधान दिवस में आवेदन कर्ता द्वारा प्रस्तुत किया जाये। आवेदन कर्ता की सुनवाई कर उसका तत्काल निस्तारण के यथा संभव प्रयास करना सुनिश्चित करें। समस्त अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वह अपने से संबंधित प्रार्थना पत्रों को उसी दिन प्राप्त करने के बाद ही तहसील कार्यालय छोडे। इसके साथ ही आवेदन पत्रों की प्राप्ति की पूरी व्यवस्था संबंधित तहसीलदार की देखरेख में की जाएगी तथा सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन के बाद उसी दिन सभी प्रार्थना पत्रों का कम्प्यूटर पर अंकन कराना भी संबंधित तहसीलदार व उपजिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रार्थना पत्र का कम्प्यूटरीकरण (स्कैनिंग, अपलोडिंग एवं विवरण फीडिंग) समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आई0जी0आर0एस0) से संबंधित सम्पूर्ण समाधान दिवस के पोर्टल पर किया जायेगा। शिकायती प्रार्थना पत्र पर अपेक्षित निस्तारण कार्यवाही व प्रगति की स्थिति भी संबंधित अधिकारी द्वारा आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर समय-समय पर अपलोड की जाएगी। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त आवेदन पत्रों का निस्तारण एवं अनुश्रवण के संबंध में निर्देशित किया है कि निजी भूमियों का सीमाकंन/पैमाइश, निजी भूमियों का अविवादित नामान्तरण, खतौनी में नाम व अन्य अशुद्धियों का शोधन, फर्जी बैनामें के आधार पर नामान्तरण/कब्जा, संबंधित शिकायतों को तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं संबंधित लेखपाल की टीम बनाकर मौके पर भेजकर निस्तारण किया जाये। राजकीय एवं सार्वजनिक उपयुक्त भूमियों यथा चकरोड, रास्ता, तालाब, खलिहान, नाली, चारागाह आदि पर अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे, निजी भूमियों पर अन्य भूमिधरों/सहखाते द्वारा अवैध कब्जा, पट्टे की भूमि पर कब्जा, आबादी भूमि में पानी का निकास व आवागमन अवयुक्त करने संबंधी शिकायतों का तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं संबंधित थाने के हेडकांस्टेबल की टीम बनाकर मौके पर भेजकर निस्तारण कराया जाये। सामाजिक न्याय, विकास एवं अन्य विभाग से संबंधित शिकायतों को खण्ड विकास अधिकारी व संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा स्वयं अथवा यथावाश्यक टीम बनाकर मौके पर भेजकर निस्तारण कराया जाये। गम्भीर एवं अतिसंवेदनशील मामलों का निस्तारण संबंधित उपजिलाधिकारी अथवा तहसीलदार द्वारा स्वयं यथावश्यक टैऊक्टर व जे0सी0बी0 मशीन का प्रयोग कर किया जाये और इन उपकरणों एवं मशीन के प्रयोग पर होने वाले व्यय सुसंगत नियमों के अर्न्तगत अथवा अवैध कब्जेदार से वसूला जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों में से कम से कम 5 महत्वपूर्ण तथा संवेदनशील शिकायतों को चिन्हित कर उनके निस्तारण हेतु मौके पर भेजकर उसी दिन निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाये। आज तहसील ठाकुरद्वारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। समाधान दिवस में मुख्य रुप से आपसी भूमि विवाद की कृषि संबंधी शिकायतें अधिक संख्या में प्राप्त होने के साथ विद्युत, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजने के निर्देश देते हुए शिकायतें गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस मे जिलाधिकारी के निर्देशानुसार शिकायतें संबंधित विभागीय अधिकारियों को निश्चित समय सीमार्न्तगत निस्तारण करने के निर्देश के साथ सन्दर्भित की गयी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा, परियोजना निदेशक सतीश प्रसाद मिश्र, उपजिलाधिकारी ठाकुरद्वारा अजय कुमार गौतम, तहसीलदार ठाकुरद्वारा रामवीर सिंह, नायब तहसीलदार, पुलिस क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

सात घंटे तक गुल रही कई मोहल्लों की बिजली, लोग परेशान

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

मुरादाबाद- शहर के चार मोहल्लों में शनिवार को दिन में सात घंटे से अधिक समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। आपूर्ति अलग-अलग चरणों में काटी गई। जिससे लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। यह समस्या मुरादाबाद से टांडा को जा रही हाईटेंशन लाइन में क्षतिग्रस्त कंडक्टरों को बदलने की वजह से हुई। मुरादाबाद से टांडा को 132 केवी की हाईटेंशन लाइन जाती है। इस लाइन में जगह-जगह लगे कंडक्टर क्षतिग्रस्त हो गए थे। इसी को लेकर विद्युत पारेषण की ओर से कंडक्टर बदलने के लिए शनिवार को कार्य शुरू किया गया। पंडित नगला बाईपास पर अलग-अलग लोकेशन में तीन कंडक्टर बदले गए।इसके अलावा 16, 17 नंबर पर भी कंडक्टर बदले गए। इसके लिए दोपहर एक बजे से शट डाउन लिया गया था। इस दौरान रामपुर रोड, पचखेड़ा, देहरी, इंडस्ट्रीयल फीडरों की बिजली काटी गई। यह फीडर 33 केवी बिजली घर पीतलबस्ती से जुड़े हैं। देर शाम कार्य पूरा होने के बाद आपूर्ति शुरू हो सकी थी। हालांकि, लोगों को दिक्कत न हो, इसके लिए जिस फीडर का कार्य पूरा हो रहा था, वहां की सप्लाई बहाल कर दी जा रही थी।

कंडक्टर बदलने के दौरान बुलानी पड़ी पुलिस, रुका ट्रैफिक

विद्युत पारेषण की ओर से 16, 17 नंबर पर कंडक्टर बदलने के दौरान ट्रैफिक रोकने के लिए पुलिस की मदद लेनी पड़ी। इसके लिए विभाग ने पहले से ही यातायात पुलिस को सूचना देकर अनुमति मांगी थी। इस दौरान ट्रैफिक इंस्पेक्टर से लेकर पुलिस के कई जवानों ने मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्था को बनाए रखा।मुरादाबाद से टांडा को जाने वाली हाईटेंशन लाइन में कंडक्टर बदलने के लिए शट डाउन लेना पड़ा। 1 बजे से शाम सात बजे तक अलग-अलग चरणों में शट डाउन लिया गया। 16, 17 नंबर पर कंडक्टर बदलने के लिए ट्रैफिक पुलिस की अनुमति के साथ मदद भी लेनी पड़ी।- संजय कुमार, एसडीओ ट्रांसमिशन

ग्राम पंचायतों में खुली बैठकें न कराने पर होगी कार्रवाई

मुरादाबाद- नए वित्तीय वर्ष से हर माह ग्राम पंचायतों में खुली बैठकों के आयोजन को अनिवार्य कर दिया गया है। इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निदेशक पंचायती राज विभाग ने डीपीआरओ को हर माल बैठकों की रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं। ग्राम पंचायतों में खुली बैठकें न होने से शासन स्तर तक विकास कार्यों में धांधली, ग्राम प्रधान और पंचायत सचिवों की मनमानी की शिकायतें पहुंची रही हैं। बड़ी संख्या में शिकायतें पहुंचने पर निदेशक पंचायती राज ने कड़ी नाराजगी जताई है। डीपीआरओ आलोक कुमार प्रियदर्शी ने बताया कि इसी माह से सभी ग्राम पंचायतों में खुली बैठकों का आयोजन किया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर समस्याओं के निस्तारण करने के लिए गांव में एडीओ पंचायत, ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव खुली बैठकें करेंगे। बैठक में ग्राम पंचायतों में विकास कार्य को लेकर बने विवाद मौके पर ही निपटाए जाएंगे। डीपीआरओ ने बताया कि जिले की सभी 643 ग्राम पंचायतों में गठित समितियों की हर माह बैठक करानी होगी। इसमें प्रतिभाग करने वाले ग्राम पंचायत सदस्यों को व्यवस्था के अनुसार अनुमन्य भत्ते का भुगतान किया जाएगा। बैठक में जिला व ब्लॉक स्तर के अधिकारी शामिल रहेंगे। गांव के प्रधान की मनमानी से ग्राम स्तर पैदा होने वाली समस्याओं का वहीं पर निस्तारण किया जाएगा। लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में समस्याओं और निस्तारण के संबंध में एडीओ पंचायत डीपीआरओ को समय से रिपोर्ट देंगे। ताकि जिला मुख्यालय से रिपोर्ट संकलित कर निदेशक को पंचायती राज को भेजी जा सके।

सपा ने फिर उठाई मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह को हटाने की मांग

मुरादाबाद- लखनऊ/ मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी (सपा) ने रामपुर जिले के स्वार विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए 10 मई को होने वाले मतदान के मद्देनजर राज?य के मुख?य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव कराने के लिए आंजनेय कुमार सिंह को मुरादाबाद के मंडलायुक्त के पद से तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। सपा ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम की ओर से लिखे गए पत्र को मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा जिसमें कहा गया है कि 34-स्वार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक, भयमुक्त सम्पन्न कराने के लिए मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह को उनके वर्तमान पद से तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। सपा मुख्यालय से शुक्रवार को जारी एक बयान के अनुसार सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर कहा है कि मुरादाबाद के वर्तमान मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह काफी लंबे समय तक रामपुर में जिलाधिकारी रह चुके हैं और पदोन्नत होकर मंडलायुक्त के पद पर भी काफी समय से तैनात हैं। इसी मंडल में जनपद रामपुर है। पत्र में उन्होंने यह भी कहा है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के समय आंजनेय कुमार सिंह पर भाजपा कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने का आरोप लगा था, इसकी शिकायत 29 जनवरी 2022 को मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग से की गयी थी। उन्होंने पत्र में आरोप लगाया कि रामपुर विधानसभा के उपचुनाव में भी सिंह की शिकायत की गयी थी, लेकिन उन?हें हटाया नहीं गया। उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद आंजनेय कुमार सिंह को मुरादाबाद के मंडलायुक्त पद से न हटाये जाने से भारत निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है। पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में अधिकारियों के विरुद्ध की गई शिकायतों को संज्ञान में लेकर उन्हें हटाया गया था, वर्तमान प्रकरण पर भी गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए हटाया जाये। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश की स्वार और छानबे विधानसभा सीट के उपचुनाव का कार्यक्रम बुधवार को घोषित कर दिया। इन सीट के लिए आगामी 10 मई को मतदान होगा। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया था कि आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के मुताबिक स्वार और छानबे विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए अधिसूचना आगामी 13 अप्रैल को जारी होगी और 20 अप्रैल तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। अगले दिन नामांकन पत्रों की जांच होगी और 24 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि दोनों सीट पर उपचुनाव के तहत मतदान 10 मई को होगा जबकि मतगणना 13 मई को की जाएगी। गौरतलब है कि रामपुर जिले की स्वार सीट समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान की विधानसभा सदस्यता समाप्त होने के कारण रिक्त हुई है। जनवरी 2008 में अवैध रूप से राजमार्ग जाम करके धरना प्रदर्शन करने के मामले में अदालत द्वारा दो साल की सजा सुनाये जाने के कारण अब्दुल्ला की सदस्यता समाप्त हुई थी।

एक करोड़ तक की सुपारी लेने वाले शार्प शूटर ने उधार में ली सीए की जान

मुरादाबाद-सीए हत्याकांड के पर्दाफाश की पुलिसिया कहानी की चौपाल पर चर्चाएं शुरू हैं। पुलिस का दावा है कि महानगर के एक बड़े कारोबारी की हत्या की सुपारी एक करोड़ रुपये में लेने वाले शातिर शार्प शूटर ने सीए को मौत के घाट उतारा है। अब सवाल यह है कि व्यावसायिक दृष्टि से अपराध को जीवन यापन कर जरिया बना चुके शातिर बदमाश ने बिना पेशगी के इतना बड़ा जोखिम क्यों मोल लिया? सीए व कुशांक गुप्ता हत्याकांड से जुड़े कई अन्य बड़े सवालों का जवाब पुलिस को देना ही होगा। हां सरेशाम व सरेराह हत्या की धमक प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक में महसूस की गई। शासन लगातार पुलिसिया जांच की निगरानी कर रहा था। महीनों हाथ लगने के बाद पुलिस ने सीए हत्याकांड का ऐसा पर्दाफाश किया, जिससे जुड़ी कई कड़ियां व सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। पुलिस के मुताबिक 2019 में आहूजा ग्रुप के एमडी और पीएमएस (पंडित मदन स्वरूप) स्कूल के एजुकेशन ट्रस्ट के वित्तीय निदेशक मनोज आहूजा उर्फ मौजी की हत्या की साजिश रची गई थी। पीएमएस स्कूल की ट्रस्ट में पदाधिकारी बनने को लेकर पूर्व चेयरमैन ने एमडी की हत्या के लिए एक करोड़ की सुपारी तय की। साढ़े 11 लाख रुपये एडवांस के तौर पर शूटर को मिले थे। मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक शूटर समेत वन विभाग के रिटायर्ड दारोगा और प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार किया था। शूटर के रूप में केशव शर्मा उर्फ राहुल निवासी गिंदौड़ा पाकबड़ा का नाम उजागर हुआ था। शुक्रवार को एसएसपी ने बताया कि सीए श्वेताभ तिवारी को मौत के घाट उतारने वाला भी केशव सरन शर्मा उर्फ राहुल है। ललित कौशिक के इशारे पर उसने सीए को गोली मारकर मौत के घाट उतारा। ऐसे में सवाल उठा कि आखिरकार सीए की हत्या के एवज में केशव सरन ने सुपारी के रूप में कितनी रकम प्राप्त की।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपये की ठगी

मुरादाबाद- महिला की तहरीर पर कटघर पुलिस ने ठगी का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि सरकारी विभाग में पुत्र को नौकरी दिलाने के नाम पर आरोपियों ने उससे पांच लाख रुपये की ठगी कर ली। तहरीर के आधार पर नामजद मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। कटघर थाना क्षेत्र में आंबेडकर नगर शिवपुरी की रहने वाली दीपिका ने बताया कि जितेंद्र उर्फ कावेंद्र व उसकी मां सरोतिया से उसकी पुरानी जान पहचान है। मां-बेटे मूलरूप से बिजनौर में शेरकोट थानाक्षेत्र के अगोता गांव के रहने वाले हैं। बातचीत में दोनों ने बताया कि सरकारी विभागों में उनकी अच्छी जान पहचान है। मां-बेटे ने महिला को झांसे में लेते हुए बताया कि वह उसके बेटे की सरकारी नौकरी लगवा देंगे। नौकरी लगवाने के नाम पर आरोपियों ने पहले तीन लाख रुपये पीड़िता से लिए। फिर जितेंद्र ने दो लाख रुपये ऑनलाइन अपनी पत्नी सुनीता देवी के खाते में जमा कराया। लंबे समय तक इंतजार के बाद भी नौकरी नहीं मिली। तब पीड़िता ने आरोपियों से रकम वापस मांगी। पीड़िता का आरोप है कि रुपये मांगने पर जितेंद्र के दोस्त रानू ने पीड़ित के साथ गाली-गलौज की। जान से मारने की धमकी देते हुए पीड़िता को भगा दिया। तब पीड़िता ने कटघर थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। प्रभारी निरीक्षक कटघर राजेश सिंह सोलंकी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपों की जांच शुरू कर दी गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

महावीर जयंती पर होंगे विशेष कार्यक्रम, रूपरेखा तैयार

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2622वां जन्म कल्याणक महोत्सव 3 अप्रैल सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके आयोजन के लिए आवश्यक बैठक जैन मंदिर रामपुर बाग में आयोजित की गई। इस महोत्सव की मीडिया प्रभारी सौरभ जैन ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया है कि दोनों मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा व नित्य नियम पूजन के उपरांत बिहारीपुर जैन मंदिर से प्रातः 9:00 बजे भगवान महावीर की अहिंसामयी संदेशों को जन-जन में प्रचारित-प्रसारित करने हेतु एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

बिहारीपुर जैन मंदिर के मंत्री प्रकाश चंद जैन ने बताया कि शोभा यात्रा बिहारीपुर जैन मंदिर से इस्लामिया मार्केट, अनाथालय रोड, चौपला रोड, पटेल चौक से जैन मंदिर रामपुर बाग पहुंचेगी जहां जिनेंद्र भगवान का पांडुशिला पर अभिषेक व पालने का कार्यक्रम होगा। रामपुर बाग जैन मंदिर के मंत्री के.के जैन ने बताया कि रामपुर बाग जैन मंदिर से पुनः शोभायात्रा नगर निगम मार्केट, पटेल चौक, सिविल लाइन से होते हुए वापस बिहारीपुर जैन मंदिर पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो जाएगी और आगामी धार्मिक कार्यक्रम वहां होंगे व समाज का सहभोज भी होगा। उपाध्यक्ष सत्येंद्र जैन एड. ने बताया कि शोभायात्रा विश्व प्रसिद्ध संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर के शिष्य मुनि श्री अरह सागर जी के सानिध्य में निकाली जाएगी। अंत में श्री महावीर निर्वाण समिति अध्यक्ष सुरेंद्र जैन जी ने बताया कि शोभायात्रा में श्री जी के रथ के साथ, घोड़े, झांकियां, बैंड बाजे, ढोल की स्वर लहरियों में भजन गाए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि महिला और पुरुष धर्मावलंबी धर्म ध्वज लेकर चलेंगे। कोषाध्यक्ष सतीश चंद जैन ने बताया कि शोभायात्रा के माध्यम से अहिंसा परमो धर्म का संदेश दिया जाएगा। बैठक में, उपरोक्त के अलावा भूपेंद्र जैन, राजेश जैन, राजकुमार जैन, सुनील जैन, सुभाष जैन, संजय जैन, देवेंद्र जैन, सुदीप जैन पंडित जी, राजीव जयपति आदि ने विचार रखे। यह जानकारी महोत्सव मीडिया प्रभारी सौरभ जैन ने दी।

टेंट ठेकेदार का अपहरणकांड: हेलो, तुम्हारा भाई हमारे कब्जे में है, सलामती चाहते हो तो 10 लाख लेकर आ जाओ

एक कार्यक्रम से टेंट समेटकर वापस आगरा लौट रहे ठेकदार का रास्ते में कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया। इसके बाद उसके भाई को फोन करके 10 लाख की फिरौती मांगी। भाई की सूचना पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश के आगरा में बीती रात 10 बजे पुलिस ने टेंट ठेकेदार के अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी बरामद हुई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। आरोपियों ने एक कार्यक्रम के बाद टेंट लादकर वापस आने के दौरान घटना को अंजाम दिया था। फिरोजाबाद के टूण्डला थाना क्षेत्र के जटपुरा गांव निवासी सोनू आगरा के एक टेंट हाउस पर ठेके पर मजदूरी कराता है। शुक्रवार देर रात्रि वह राजस्थान के भरतपुर में एक कार्यक्रम में शामिल होने गया था।

यहां से वह कैंटर में टेंट का सामान लादकर वापस आगरा लौट रहा था। भरतपुर से कुछ किलोमीटर दूरी पर पीछे से आए बोलेरो सवार युवकों ने कहा कि कैंटर की रस्सी खुल गई है। इस पर चालक ने गाड़ी रोक दी। सोनू नीचे उतरा तो बोलेरो सवार युवकों ने उसे खींचकर गाड़ी में बैठा लिया।

हाइवे पर घेराबंदी कर दो को पकड़ा

इसके बाद वहां से फरार हो गए। कुछ देर बाद सोनू के फोन से उसके भाई लालता प्रसाद को फोन किया। कहा कि 10 लाख रुपये भरतपुर पहुंचा दे। इस पर लालता प्रसाद ने इसकी सूचना आगरा के फतेहपुर सीकरी थाना पुलिस को दी। सूचना पर फतेहपुर सीकरी थाना पुलिस ने हाइवे पर घेराबंदी कर दी। घेराबंदी होते देख आरोपियों ने सोनू को पीट-पीट घायल कर दिया। इसके बाद राजस्थान की सीमा में सड़क किनारे फेंककर भाग गए।

पुलिस आरोपियों से कर रही पूछताछ

इधर, अपहरण की सूचना पर पुलिस बॉर्डर पर घेराबंदी कर आरोपियों की तलाश कर रही थी। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया। साथ ही बोलेरो गाड़ी कब्जे में ले ली। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। थानाध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना राजस्थान के भरतपुर जिला की है। पूछताछ की जा रही है।

क्रिकेटर सुरेश रैना के फूफा व बुआ की हत्या में शामिल रहा 50 हजार का इनामी राशिद मुठभेड़ में ढेर

मुजफ्फरनगर में एनकाउंटर में 50 हजार का इनामी बदमाश मारा गया। इनामी बदमाश क्रिकेटर सुरेश रैना के फूफा व बुआ की हत्या में शामिल रहा था।उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में शनिवार को पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी बदमाश राशिद मारा गया।

क्रिकेटर सुरेश रैना के फूफा व बुआ की हत्या में शामिल रहा था राशिद

इनामी बदमाश राशिद क्रिकेटर सुरेश रैना के फूफा व बुआ की हत्या में शामिल रहा था। बताया गया कि सुरेश रैना के फूफा व बुआ की पठानकोट में हत्या की गई थी। राजस्थान का मूल निवासी बदमाश राशिद वर्तमान में मुरादाबाद में रह रहा था। राशिद उर्फ सिपाईया उर्फ चलता फिरता शाहपुर क्षेत्र के गांव गोयला के जंगल में मुठभेड़ में मारा गया। उसके पास एक बाइक, रिवॉल्वर, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं।सीओ बुढ़ाना विनय गौतम ने बताया कि शाहपुर पुलिस और एसओजी टीम की गोयला के जंगल में बाइक सवार बदमाश के साथ मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जबकि उसका साथी मौके से भाग गया। वहीं पुलिस ने घायल बदमाश को गिरफ्तार कर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। घायल बदमाश की शिनाख्त क्रिकेटर सुरेश रैना के फूफा व बुआ की पठानकोट में हत्या में शामिल रहे 50 हजार के इनामी अपराधी राजस्थान के गांव चडावाव के मूल निवासी और वर्तमान में मुरादाबाद के गांव भोजपुर क्षेत्र में रहने वाले राशिद उर्फ सिपाईया उर्फ चलता फिरता के रूप में हुई।बताया गया कि मुठभेड़ में मारे गए बदमाश पर 50 हजार का इनाम हैं। वह शाहपुर में मुठभेड़ व ककरौली थाना क्षेत्र से लूट के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस द्वारा फरार अपराधी की तलाश की जा रही थी। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

खण्ड शिक्षा अधिकारी बिथरीचैनपुर अवनीश प्रताप सिंह के नेतृत्व में रैली उच्च प्राथमिक विद्यालय से निकली

स्कूल चलो अभियान रैली से हुई शुरुआत

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली- रैली का सी0 एम 0ओ 0डॉक्टर हर वीर सिंह,डॉ अमित गंगवार ने पी0 एच 0सी0 पर और प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार, उप निरीक्षक भूपेंद्र कुमार ने थाना पर गर्मजोशी से स्वागत किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार और ब्लाक प्रमुख पति हरेंद्र पटेल ने बच्चों को पुस्तके वितरित कीं। डॉक्टर हर वीर सिंह ने कहा कि हम सभी का प्रयास यही रहता है । सभी पढ़े और आगे बढ़े साथ ही सभी स्वस्थ रहे, साथ ही संचारी रोग के संबंध में बताया प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार ने बच्चों को शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और अनुशासन में रहने को कहा साथ ही कहा कि जो भी आपके छोटे भाई -बहन जो स्कूल आते नहीं हैं। उन सभी को स्कूल में प्रवेश दिलाएं रैली समापन पर खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश प्रताप सिंह ने कहा कि

सरकार की मंशा यही है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और सभी को अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए सभी लोग सहयोग करें।, जो भी जिसका दायित्व ड्यूटी और लक्ष्य है। उनके सापेक्ष कार्य कर अपने ब्लाक को निपुण ब्लॉक बनाएं पुस्तक वितरण के मौके पर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी विनय कुमार ने कहा कि हमारे कुछ विद्यालय में बहुत ही अच्छा कार्य कर रहे हैं। और कुछ को अभी और प्रयास करना होगा तब ही हम सभी लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं इसीलिए हम सभी जिले को निपुण बनाने में लग जाएं, और बच्चों को शिक्षाप्रद प्रेरक कहानी सुनाई।इस मौके पर जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ब्लॉक अध्यक्ष प्राथमिक के0 सी 0पटेल, और अध्यक्ष जूनियर ऋषि पाल सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत आभार प्रकट किया। संचालन ब्लॉक मंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ राजीव लोचन शर्मा ने किया इस मौके पर देवेन्द्र गंगवार, जयदेव, कृष्ण अवतार सक्सेना,लक्ष्मी शुक्ला, सागर,भगवान दास गंगवार, धर्मवीर गंगवार, अंजू गंगवार, मोहम्मद शाहनूर, शिखा अग्रवाल, रश्मि उपाध्याय, शहला परवीन, जितेन्द्र गंगवार, नरेश चंद्र, मिथिलेश यादव, प्रभात कुमार, रश्मि, सोनी, दिव्या, प्रियदर्शनी, पंकज, सुखेंद्र, कन्हई लाल, अफरोज, विकास, परितोष, सुहेल, सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षाविदों ने निकाली स्कूल चलो अभियान रैली

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली- विधायक डा. एम. पी.आर्य, ब्लाक प्रमुख श रश्मि गंगवार , सांसद प्रतिनिधि रवि शंकर गंगवार, बाल श्रमबोर्ड भारत सरकार के सदस्य भुजेंद्र गंगवार बीडीओ भदपुरा ग्राम प्रधान, सदस्य क्षेत्र पंचायत की मौजूदगी में खंड शिक्षा अधिकारी त्रिलोकी नाथ के नेतृत्व में स्कूल चलो अभियान 2023 -24 का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा विभागीय योजनाओं तथा छात्र- छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं को जान समूह के साथ साझा किया

गया। जन समुदाय से विकास खंड के सभी 6 से 14 वर्ष के बच्चों का शत -प्रतिशत नामांकन परिषदीय विद्यालयों में करने तथा उन्हें नियमित विद्यालय भेजने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि तथा सम्मानित मंच ने बच्चों को नवीन सत्र की पुस्तकों का वितरण किया। मुख्य अतिथि नवाबगंज विधायक डा. एम.पी. आर्य ने जन समुदाय से अधिक से अधिक नामांकन विद्यालयों में करने का अनुरोध करते हुए बुनियादी शिक्षा ही प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। शिक्षा से ही देश के लिए योग्य श्रेष्ठ नागरिकों का सृजन होता है । ब्लाक प्रमुख रश्मि गंगवार ने उपस्थित जन समूह से शत-प्रतिशत नामांकन करने का अनुरोध किया । सांसद प्रतिनिधि रवि शंकर गंगवार द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी श्री त्रिलोकी नाथ को ब्लाक रत्न पुरस्कार की घोषणा की तथा विधायक श्री आर्य तथा श्रीमती गंगवार द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह तथा शाल भेंट कर सम्मानित किया । कार्यक्रम में विशाल जन समुदाय की प्रतिभागिता के साथ ही एआरपी संजीव सिंह,धर्मेंद्र वर्मा, अरशद फारूक, नरेन्द्र प्रताप गंगवार, विपिन कुमार,ओम बाबू,अनिकेत महेंद्रपाल मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बनी रंगोली। क्षेत्र पंचायत, स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम की रंगोली रही जिसे डा.अल्पना गुप्ता,नीरा सिंह,नेहा गर्ग था धीरेंद्र सिंह की टीम द्वारा बनाया गया।

संक्षिप्त समाचार

पति का दर्द: प्रार्थना पत्र देकर लगाई गुहार, साहब! पत्नी कराती है सफाई, मना करने पर करती है पिटाई

मेरठ में कुछ पतियों का दर्द सामने आया है। उन्होंने परिवार परामर्श केंद्र में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। एक व्यक्ति ने कहा कि साहब! पत्नी सफाई कराती है और मना करने पर पिटाई करती है। यह सुनकर अधिकारी भी हैरान रह गए। मेरठ में पिछले तीन माह में परिवार परामर्श केंद्र में आए लगभग 55 प्रार्थना पत्र ऐसे थे, जिसमें पतियों ने पत्नियों के अन्याय से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई। किसी की पत्नी मारपीट करती है तो किसी की पत्नी घर में सफाई कराती है। कई मामले ऐसे थे जिसमें पत्नी हर वक्त टीवी देखने या मोबाइल पर ही व्यस्त रहती थी। वर्ष 2022 में भी इसी तरह के 450 प्रार्थना पत्र आए थे, जिसमें पत्नियों पर लड़ाई-झगड़ा, मारपीट करने के आरोप लगाए थे। लिसाड़ी गेट के रहने वाले एक युवक ने फरवरी में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी शादी छह माह पहले हुई थी। शादी के बाद से ही उसकी पत्नी लड़ाई-झगड़े पर उतारू रहती है। उससे घर की सफाई कराती है। जब उसने काम करने से मना कर दिया तो पत्नी ने मारपीट की और मायके जाकर रहने लगी। युवक ने गुहार लगाई कि पत्नी को समझाकर घर लाया जाए। पुलिस ने पति-पत्नी और उनके परिवार को बुलाकर बातचीत कराई, तब जाकर दोनों दोबारा साथ रहने के लिए तैयार हुए।कबाड़ी बाजार निवासी व्यक्ति ने भी शिकायत की। इसमें उसने बताया कि उसके दो बच्चे आठवीं-नौंवी कक्षा में पढ़ते हैं और हास्टल में रहते है। वह प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है, जब भी घर पर आता है तो खाना खुद बनाना पड़ता है। उसकी पत्नी हर समय टीवी या मोबाइल में व्यस्त रहती है। जब वह मना करता है तो घर में झगड़ा होता है। पत्नी के मायके वाले भी उसका ही साथ देते हैं।अधिकतर प्रार्थना पत्र में पतियों पर आरोप लगते हैं। पिछले कुछ समय से ऐसे भी केस आ रहे हैं, जिसमें पति अपनी पत्नी की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। दोनों ही मामलों में प्रयास रहता है कि उनके बीच सुलह करा दी जाए। - आंचल शर्मा, प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र

टीला नंदराम में जूता फैक्टरी में लगी भीषण आग, फंसे हुए चार लोगों को निकाला गया; मची अफरा-तफरी

आगरा के थाना मंटोला के टीला नंदराम इलाके में शनिवार दोपहर को जूता फैक्टरी में भीषण आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल आग को काबू करने के प्रयास में लगी हुई है। फैक्टरी में 4 लोग फंस गए थे। उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बताया गया है कि अनवर ने अपनी जगह को जुगनू को किराए पर दिया हुआ है। जुगनू सोल पर कलर करने का काम करता है। इसमें केमिकल के ड्रम भी रखे हुए थे। दोपहर में अचानक आग लग गई। इस पर फैक्टरी में काम कर रहे लोग भाग खड़े हुए। इलाके घनी आबादी में है। इस पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर थाना मंटोला पुलिस पहुंची। बाद में दमकल आ गई। आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। फैक्टरी के पीछे एक घर में चार लोग फंस गए थे। उनको सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। कतरन और केमिकल होने की वजह से आग बुझाने में दिक्कत हो रही है। पुलिस का कहना है कि शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। आग बुझने के बाद इसका कारण पता किया जाएगा।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
बिना किसी सिक्यूरिटी के
KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

आयुष्मान योजना में कोई रूचि नहीं ली जा रही

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित आयुष्मान भारत योजना प्रगति समीक्षा बैठक में लापरवाही पाने पर डीएम अंकित कुमार अग्रवाल ने निधौलीकलां, अलीगंज एडीओ पंचायत को नोटिस दिया गया है। समीक्षा बैठक में डीएम ने पाया कि प्रत्येक ब्लॉक की 10-10 ग्राम पंचायतों में आयुष्मान कार्ड बनाये जाने की प्रगति खराब है। डीएम ने निर्देश दिए आयुष्मान भारत योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है। योजना के तहत पात्र परिवार को पांच लाख रूपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा पंजीकृत अस्पतालों में दी जाती है। गरीब परिवारों के लिए यह महत्वपूर्ण योजना हैं।

जनपद स्तर पर तैनात मुदित कुशवाह, अभिषेक शुक्ला आवंटित चार-चार ब्लाकों में नियमित क्षेत्र भ्रमण कर प्रगति की समीक्षा करें। डीएम ने चिन्हित 80 ग्रामों की समीक्षा में पाया अलीगंज एवं शीतलपुर ब्लॉक में एडीओ पंचायतों ने आयुष्मान योजना में कोई रूचि नहीं ली जा रही है। कार्ड बनाए जाने की प्रगति काफी खराब है। डीएम ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए दोनों एडीओ पंचायत को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। डीएम ने बैठक में गांववार समीक्षा करते हुए पंचायत सहायकों को निर्देश दिए योजना का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। जिससे गांव में रहने वाले गरीबों को इलाज में सुविधा हो सके। बैठक में सीडीओ डा. एके बाजपेयी, सीएमओ डा. यूके त्रिपाठी, डीपीआरओ के के सिंह, एडीपीआरओ मनोज कुमार, एडीओ पंचायत, बीसी, पंचायत सहायक मौजूद रहे। पंचायतघरों को जनसेवा से जोड़ा जाएगा डीएम एटा। समीक्षा बैठक में डीएम ने कहा कि ग्राम सचिवालय सुदृीकरण के लिए पंचायतघरों को जनसेवा से जोड़ा जाना है। इसको ई-डिस्ट्रिक की कार्रवाई अतिशीघ्र पूर्ण कर वैलेट को रीचार्ज कराया जाए। कार्य में रुचि न लेने वालों को चिन्हित करने के निर्देश समीक्षा बैठक में डीएम ने ब्लाक अलीगंज के हत्सारी, अंगरैया, जलेसर के बारा समसपुर पंचायत सहायक का वेतन तत्काल निर्गत करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि जो पंचायत सहायक पदेन कार्यां में रूचि नहीं ले रहे हैं। उन पंचायत सहायकों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाए।

सेवा निव्रत के अवसर पर विदाई समारोह

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा- श्री सोहन लाल शर्मा वरिष्ठ नेत्र परीक्षण अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मारहरा एटा कार्यरत वीरांगना अवंती वाई स्व शासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एटा के नेत्र विभाग द्वारा डा अंजू (विभागाध्यक्ष नेत्र विभाग) डा सत्यम गुप्ता (असिस्टेंट प्रोफेसर) डा प्रियंका द्विवेदी (आई सर्जन) डा रजत यादव (जूनियर रैजीडेंट) सेवा निव्रत के अवसर पर विदाई समारोह में उपस्तिथि रहकर शेष जीवन केलिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसों में पांच लोग हुए घायल

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-गांव आसेपुर मिरहची के पास दो बाइक भिडंत में रेशु, दोस्त सतेन्द्र निवासी नगरिया झार थाना दादों अलीगढ़ तथा दूसरी बाइक पर सवार अमित निवासी बढौली मिरहची घायल हो गए। अन्य सड़क हादसों में दो लोग घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। किशोरी घर से फरार , ले गई छह लाख रुपये- अलीगंज। दो आरोपी किशोरी को भगा ले गए। पीड़िता घर से लाखों की नकदी, जेवरात भी ले गए है। पिता ने कोतवाली अलीगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वही भाजपा नेता भी कोतवाली पहुंचे और बेटी को जल्द से जल्द तलाश करने को कहा है। कोतवाली अलीगंज के एक मोहल्ला निवासी ने पिता ने बताया कि शुक्रवार सुबह दो आरोपी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गए। बेटी घर से छह लाख रूपये, दो लर, कुंडल सहित अन्य जेवरात ले गए। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सुबोध व प्रमोद को अग्रिम जमानत देने से इंकार

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-कोतवाली नगर में दर्ज छेड़खानी और पिटाई के मामले में पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव के पुत्र सुबोध यादव और प्रमोद यादव की अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो गई है। दलील सुनने के बाद जिला जज ने अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया है। पुलिस लगारत इस मामले में बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस दे रही है। कोतवाली नगर में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें नौकरी के नाम पर दुष्कर्म करने एवं मारपीट, छेड़खानी के आरोप लगे थे। इसी मामले में सुबोध यादव, प्रमोद यादव निवासी अमृतपुर रघुपुर थाना जसरथपुर पर भी पिस्टल तानकर पिटाई, छेड़खानी के आरोप लगे थे। अग्रिम जमानत को लेकर आरोपी पक्ष की तरफ से अधिवक्ता ने याचिका दायर की। शुक्रवार को दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं ने दलीले पेश की। आरोपी पक्ष से अधिवक्ता ने दलील दी कि वादी महिला से कभी नहीं मिले है और एक राजनैतिक प्रतिद्वंदी के करीबी है। उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। सरकार से तरफ से डीजीसी रेशपाल सिंह राठौर ने अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए दलील दी कि आवेदकगण ने वादिनी के साथ गाली-गलौज की और पिस्टल तानकर छेड़खानी की। गंभीर अपराध है ऐसे में अग्रिम जमानत प्रार्थनापत्र निरस्त किए जाएं। दोनों पक्ष की दलील सुनने के बाद जिला जज अनुपम कुमार ने सुबोध कुमार, प्रमोद कुमार को अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया है।

परिवहन निगम के चालक कमल सिंह ने खाया जहरीला पदार्थ

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा- एटा डिपो उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के चालक कमल सिंह ने खाया जहरीला पदार्थ । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एटा डिपो के किसी विभागीय अधिकारी से चालक की किसी वात को लेकर हुई नोक झोंक इसी को लेकर चालक ने खाया जहरीला पदार्थ चालक की हुई हालत गंभीर आनन-फानन में रोडवेज के कर्मचारियों ने तत्काल पहुंचाया किसी निजी अस्पताल।

त्रिकेट के दौरान दो समुदाय भिड़े, जमकर हुआ पथराव, चार घायल, तनाव के बीच

लवकुश ठाकुर
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
अलीगढ-बरसात में पहुंचे एसएसपी झगड़ा होने के बाद पुलिस ने किया मौके पर मुआयना। एक बार झगड़ा होने के बाद पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। लेकिन फिर से भिड़ गए दोनों पक्ष। हिंदू पक्ष ने दो व मुस्लिम पक्ष ने एक तहरीर दी। बरसात के बीच एसएसपी ने मौके पर पहुंचकर देखे हालात।मडराक। हिंदू व मुस्लिम पक्षों के लोग को भिड़ गए। दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ, जिसमें चार लोग घायल हो गए। दोपहर में क्रिकेट खेलने के दौरान हिंदू पक्ष के नाबालिग को बैट मारने पर विवाद हुआ था। उस दौरान पुलिस ने गांव में पहुंचकर मामला शांत करा दिया। पुलिस के निकलते ही आरोपितों ने हमला कर दिया, जिसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इसमें तीन मुकदमे पंजीकृत किए गए हैं।

तनाव देखते हुए रात में ही पहुंचे एसएसपी

सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। तनाव को देखते हुए एसएसपी कलानिधि नैथानी ने देररात बरसात में ही घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के मुताबिक, घासीपुर मुस्लिम बहुल गांव है। यहां शुक्रवार दोपहर हिंदू व मुस्लिम समुदाय के बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। इसी दौरान मुस्लिम बच्चे ने छक्का मारा। हिंदू पक्ष ने चुनौती दी कि मेरी गेंद पर शाट मारकर दिखा। बच्चे ने उसकी गेंद पर भी छक्का मार दिया। इसे लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। इसी बीच मुस्लिम बच्चे ने दूसरे के सिर पर बैट मार दिया। मामला बढ़ा तो मुस्लिम पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया।

गांव पहुंचे इंस्पेक्टर और मामला कराया शांत

इंस्पेक्टर गांव में पहुंचे और दनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत किया। शाम करीब चार बजे पुलिस के जाने के बाद दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। जमकर पथराव होने लगा। इसमें दोनों पक्षों के दो-दो लोग घायल हो गए। एसपी देहात पलाश बंसल, सीओ इगलास आदि ने मौके पर पहुंचकर हालातों को संभाला। पुलिस ने चारों का मेडिकल कराया और हिरासत में ले लिया। इसके बाद देररात मुस्लिम पक्ष के तीन और लोगों को पकड़ लिया गया। एसपी देहात पलाश बंसल ने बताया कि मामले में तीन मुकदमे पंजीकृत किए गए हैं। सात लोग हिरासत में हैं। सभी के विरुद्ध शांतिभंग की कार्रवाई की जाएगी। अन्य की तलाश की जा रही है।

दोबारा झगड़े पर हिंदू पक्ष का हंगामा, नारेबाजी

दोबारा से झगड़ा करने पर हिंदू पक्ष ने लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। आरोप था कि पुलिस ने उन्हें पिटवाया है। इसे लेकर नारेबाजी की गई। बोले कि एक बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसीलिए विवाद बढ़ गया। हालांकि पुलिस का कहना था कि इंस्पेक्टर ने गांव से निकलने के दौरान फोर्स को तैनात करने के लिए कहा था। जब तक फोर्स आती, उससे पहले ही झगड़ा हो गया।

तमंचे से हमले का लगाया आरोप

पहली तहरीर गांव के अरुण ने अरबाज, राजा, सलमान, अजरुद्दीन, हसरुद्दीन के छोटे भाई के विरुद्ध तहरीर दी है। इसमें कहा है कि आरोपितों ने जातिसूचक शब्द कहते हुए फरसे से हमला किया। तमंचे से हमला करने का प्रयास किया, जो चला नहीं। ये तहरीर दीं। दूसरी तहरीर गांव की प्रभा देवी ने 28 नामजदों के विरुद्ध दी है। कहा है कि उनके देवर का मकान बन रहा था। बच्चे उस पर काम कर रहे थे, तभी दूसरे पक्ष के अरबाज, उमर, इमामुद्दीन, शेर खां व अज्ञात लोगों ने उन्हें व उनके बेटे को पीटा। पुलिस ने मामला शांत करा दिया।

पुलिस ने किया मौके पर मुआयना

इसके बाद फिर से आरोपित राजा, सलमान, हसरुद्दीन, जहीर खान, बंटी, अकील पुत्र शकीर, अकील पुत्र हमीद, साकिर, जावेद, इन्नी, सलमान, अनीश, परवेश, आलिया, सुहेल, फारुख, सांवरिया, नाजिम, कासिम, जाहिद, अकील, अय्यूम, मेहंदी हसन, समीर, यासीन, ताहिर, अहमद, सलमान व अन्य 50 लोगों ने लाठी, डंडे, पत्थर, हथियार से जान से मारने का प्रयास किया। जातिसूचक शब्द कहे और धमकी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाया। इधर, दूसरे पक्ष के शमशेर ने ओमवीर, अभय, रमन, केतु, कमल, लोकेश ने डंडा, सरिया लेकर उनके भाई इमामुद्दीन, उसके बेटे समीर व नूर को गालीगलौज करते हुए मारा-पीटा। जान से मारने की धमकी भी दी

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

इस्लामियां इंटर कालेज में पढ़ने गए,तीन छात्र लापता

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा- कासगंज,सहावर, । कस्बा में संचालित इंटर कालेज के तीन छात्र गुरुवार सुबह से लापता हैं। छात्रों का कालेज के ही अन्य छात्रों से बुधवार को झगड़ा हुआ था। शिक्षकों ने समझा-बुझाकर शांत करा दिया था। छात्रों के अभिभावकों ने अपने बच्चों के लापता होने के मामले में थाना सहावर में रिपोर्ट दर्ज कराई है।
पुलिस की तीन टीमें तलाशा करने में जुट गई हैं। थाने में अभिभावकों की ओर से दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके बच्चे राजकुमार पुत्र रमेश साहू, रवि पुत्र महेश साहू और पारस पुत्र बिजेंद्र साहू निवासी बोंदर रोड नील की कोठी कस्बा के इस्लामियां इंटर कालेज में पढ़ने गए थे। वह दसवीं में पढ़ते हैं। कालेज में 29 मार्च को उनका अन्य छात्रों से झगड़ा हुआ था, जिसे शिक्षकों ने शांत करा दिया। इसके बाद गुरुवार सुबह दस बजे से बच्चे घर निकले और इसके बाद घर नहीं नहीं आए। इनमें से रवि पर मोबाइल है वह भी बंद जा रहा है। उन्हें किसी अनहोनी की चिंता हो रही है। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस परिजनों के साथ पुलिस बच्चों की तलाश करने में जुटी है।

10 लाख लेने के बाद भी नहीं दिया अपार्टमेंट

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-लाखों रूपये लेने के बाद भी अपार्टमेंट नाम नहीं किया है। पीड़ित ने छह आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली नगर के मोहल्ला मारहरा गेट निवासी सत्यभान सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि आरोपी मनीष निवासी गली नंबर दो मंडावली फैजलपुर पूर्वी दिल्ली सहित छह आरोपियों ने अपना अपार्टमेंट दस लाख में तय किया था। रूपये लेने के बाद न तो अपार्टमेंट दिलवाया है और नही रूपये वापस दिए है।

पति ने मायके में आकर पत्नी के साथ की मारपीट

शराबी पति ने पत्नी को पीटकर घर से निकाला

प्रधुम्न कटियार
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
कानपुर (बिल्हौर)- थाना क्षेत्र के सुभानपुर गांव निवासी आजाद ने अपनी पुत्री चांदनी की शादी लगभग 12 वर्ष पूर्व औरैया जनपद के शास्त्री नगर दिबियापुर निवासी शाजिद खां के साथ की थी, पीड़िता के अनुसार उसका पति साजिद शराब का लती है और आए दिन शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता है सगे संबंधियों के बार-बार समझाने के बाद भी उसकी आंखों में कोई सुधार नहीं हुआ, 30 मार्च को उसकी पिटाई से आहत होकर वह अपने बच्चों के साथ अपने मायके आ गई थी,
यहां आए अभी 2 दिन ही बीते थे, आज उसका पति भी उसके मायके पहुंच गया और उसकी व उसके बच्चे की भद्दी भद्दी गालियां देते हुए लात घूसों से पिटाई कर दी, उसके चिल्लाने पर परिवारी जनों को आता देख मौके से चला गया, सूत्र

दो बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हुई महिला

2 माह से पुलिस की चौखट के चक्कर लगा रहा पीड़ित

प्रधुम्न कटियार
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
कानपुर (बिल्हौर)- थाना क्षेत्र के गांव का मामला थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवक के अनुसार उसके पड़ोस में रहने वाला युवक शुभम जो कि पहले से शादीशुदा था इसके बावजूद उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है और लगभग एक लाख पचास हजार रुपए की नगदी व जेवर साथ में ले गई पत्नी को कहीं गायब पर दिया है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित ने युवक व उसके परिवार जनों पर षड्यंत्र के तहत पत्नी के अपहरण का आरोप लगाते हुए कई बार स्थानीय पुलिस व उच्च अधिकारियों से मामले की शिकायत की किंतु कोई कार्यवाही नहीं हुई, एक बार फिर पुलिस की शरण में पहुंचे युवक के अनुसार उसकी पत्नी का कहीं पता न चलने से उसे छोटे-छोटे दो बच्चों को संभालना मुश्किल हो रहा है सूत्र

ताज़ा खबरों के लिए देखे
www.knlslive.com

महिला से गालीगलौज, मारपीट व उससे छेड़छाड़,निवर्तमान चेयरमैन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-कासगंज, । अमांपुर क्षेत्र की एक महिला ने दुकान आवंटन के नाम पर अमांपुर के निवर्तमान चेयरमैन पर एक लाख रुपये ठगने का आरोप लगाया है। आरोप है कि टालमटोल पर रुपये मांगने घर पहुंची महिला से निवर्तमान चेयरमैन ने गालीगलौज, मारपीट व उससे छेड़छाड़ भी की। इस मामले में एसपी के आदेश पर अमांपुर थाना पुलिस ने निवर्तमान चेयरमैन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। अमांपुर थाना में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2022 में नगर पंचायत के निवर्तमान चेयरमैन चांद अली पुत्र मासूक अली निवासी ददवारा ने उसे सब्जी मंडी में स्थित नगर पंचायत की दुकान में से एक दुकान उसके नाम आंवटित करने का आश्वासन दिया था। इसके लिए उससे तीन बार में दो लाख रुपये लिए गए। उसके बाद सिर्फ 50 हजार रुपये की रसीद दी गई। 50 हजार रुपये लौटा दिया गया। शेष एक लाख रुपये देने के नाम पर आनाकानी करने लगे। इस पर गत 19 जनवरी की शाम आठ बजे वह निवर्तमान चेयरमैन के घर पहुंची और अपने रुपये मांगे। जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कर्ज में डूबे व्यापारी ने की आत्महत्या, जमीन आदि गिरवी रख लिया था डेढ़ करोड़ का ऋण

लवकुश ठाकुर-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

अलीगढ- व्यापार के लिए जमीन आदि गिरवी रख डेढ़ करोड़ का ऋण चार वर्ष पूर्व लिया था। मगर तमाम कारणों के चलते वे ऋण जमा नहीं कर पा रहे थे। बैंक प्रबंधक की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा था और घर जब्त करने संबंधी नोटिस तक जारी कर दिया था। अलीगढ़ के गांधी पार्क क्षेत्र की प्रीमियर नगर बैंक कालोनी में देर रात खादी ग्रामोद्योग संस्था के एक पदाधिकारी व्यापारी ने फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। अधेड़ उम्र व्यक्ति द्वारा आत्महत्या की खबर पर परिवार में कोहराम मच गया और सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। जांच में आत्महत्या के मूल में डेढ़ करोड़ का बैंक ऋण न चुका पाने का दबाव सामने आ रहा है। परिवार ने भी बैंक प्रबंधक पर मानसिक उत्पीडन् का आरोप लगाया है। पुलिस ने फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया है। बताया गया है कि गांधीपार्क के कंदौली खादी ग्रामोद्योग संस्थान के मंत्री 54 वर्षीय संजीव वार्ष्णेय ने व्यापार के लिए जमीन आदि गिरवी रख डेढ़ करोड़ का ऋण चार वर्ष पूर्व लिया था। मगर तमाम कारणों के चलते वे ऋण जमा नहीं कर पा रहे थे। पत्नी मीरा के अनुसार बैंक प्रबंधक की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा था और घर जब्त करने संबंधी नोटिस तक जारी कर दिया था। इसी से आहत संजीव ने देर रात घर के अन्य सदस्यों के कामकाज में व्यस्त होने के दौरान अपने कमरे में फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। इस दौरान बेटा आर्यव व बेटी प्रियांशी पढ़ाई कर रहे थे। इस सूचना पर मोहल्ले के लोग जमा हो गए। खबर पर पुलिस भी आ गई। इंस्पेक्टर के अनुसार फिलहाल शव पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंपा गया है। पत्नी की ओर से जो तथ्य बताए गए हैं, उन पर जांच की जा रही है। इधर, मामले में उद्योग व्यापार संगठन ने अनुराग गुप्ता की अगुवाई में बैठक कर बैंक के इस उत्पीड़नात्मक रवैये पर गहरा दुख जताया है। इस दौरान अध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव, सतेंद्र सारस्वत, सुधीर वार्ष्णेय, हरिकिशन वार्ष्णेय, नवीन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पढ़ नहीं पा रही थी, अब टीसी कटवा लेना, अब कुछ बनकर लौटेगी...लिखकर घर छोड़ गईं बहनें

लवकुश ठाकुर

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

अलीगढ- नंबर कम आने पर मां ने डांट दिया। इसके बाद वह बड़ी बहन के साथ घर से चली गई। उनके कमरे में से छोटी बेटी की ओर से लिखा हुआ पत्र मिला है। जिसमें लिखा है कि तलाशने की कोशिश मत करना। वह पढ़ नहीं पा रही थी। अब टीसी कटवा लेना और कुछ बनकर लौटेगी। नंबर कम आने पर मां की छांट से आहत दो बहनों ने घर छोड़ दिया। इनमें से छोटी घर में एक पत्र छोड़कर गई है, जिसमें उल्लेख है कि वह पढ़ नहीं पाएगी। टीसी कटवा लेना। मगर अब कुछ बनकर लौटेगी। मामले में हैरान परिवार ने पुलिस से बेटियों की तलाश में मदद मांगी है। क्वार्सी इलाके के व्यक्ति की ओर से थाने में दी गई गुमशुदगी तहरीर में कहा गया है कि उसकी एक बेटी 18 व दूसरी 16 वर्ष की है। छोटी बेटी 11वीं की छात्रा है। कुछ दिन पहले उसका परीक्षा परिणाम आया। नंबर कम आने पर मां ने डांट दिया। इसके बाद वह बड़ी बहन के साथ घर से चली गई। उनके कमरे में से छोटी बेटी की ओर से लिखा हुआ पत्र मिला है। जिसमें लिखा है कि तलाशने की कोशिश मत करना। वह पढ़ नहीं पा रही थी। अब टीसी कटवा लेना और कुछ बनकर लौटेगी। दोनों अपने मोबाइल भी नहीं लेकर गईं। इस मामले में काफी तलाश के बाद भी कोई सफलता न मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस ने सर्विलांस व सीसीटीवी मदद के साथ-साथ तलाश गश्ती जारी कराई है। साथ में पोस्टर चस्पा किए जा रहे हैं। इंस्पेक्टर के अनुसार दोनों की तलाश में टीमें लगी हैं।

राहुल गांधी की रद्द की गई लोकसभा सदस्यता के मुद्दे को लेकर देश भर में मोदी सरकार के खिलाफ जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम के अधीन आज जिला कांग्रेस कमेटी शहरी द्वारा की गई पत्रकार वार्ता

सत पाल सोनी

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना - केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा बदले की भावना के साथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की रद्द की गई लोकसभा सदस्यता के मुद्दे को जनता तक पहुंचाने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा देश भर में मोदी सरकार के खिलाफ 卐जय भारत सत्याग्रह卐 कार्यक्रम के अधीन आज जिला कांग्रेस कमेटी के शहरी लुधियाना अध्यक्ष संजय तलवाड़ द्वारा ब्लॉक स्तर पर अलग अलग ब्लॉकों (उत्तरी-1, उत्तरी-2, सेंट्रल-1, सेंट्रल-2, पूर्वी-1, पूर्वी-2, दक्षिणी-1, दक्षिणी-2) में राकेश पांडे पूर्व मंत्री,सुरिंदर डावर पूर्व विधायक, विधानसभा क्षेत्र प्रभारी ईश्वरजोत सिंह चीमा के साथ अलग अलग समय में पत्रकार वार्ता की गई।इस पत्रकार वार्ता में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व एवं ब्लॉक अध्यक्षो ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की और से साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के कारण राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करने का निर्णय भाजपा पर भारी पड़ रहा है। भाजपा सरकार द्वारा जल्दबाजी में लिए गए फैसले के बाद देश में हर कोई इस बात की चर्चा कर रहा है कि भाजपा सरकार ने राहुल गांधी के खिलाफ यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि भाजपा सोच रही थी कि निकट भविष्य में राहुल गांधी भाजपा के लिए खतरे की घंटी है।भाजपा सोच रही थी की अगर राहुल गांधी को आगे बढ़ने से नहीं रोका गया तो राहुल गांधी आने वाले समय में भाजपा को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।उन्होंने कहा कि कल भी जिला लुधियाना शहरी के 04 अलग-अलग ब्लॉकों (वैस्ट-1, वैस्ट-2, आत्म नगर-1, आत्म नगर-2) में बीजेपी सरकार के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी। सोमवार को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओ के नेतृत्व में सुबह 10:00 बजे से घंटाघर चौक से डिवीजन नंबर-03 चौक तक पैदल 卐संविधान बचाओ卐 मार्च निकाला जा रहा है। इस पैदल मार्च में कांग्रेस पार्टी के हजारों नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे।इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित चोपड़ा, अशोक कुमार, विपन अरोड़ा, सरबजीत सिंह सरहाली, प्रिंस कुमार दोआबा, हरजिंदर सिंह रहमी, हरीश कुमार गोना, सुनील कुमार शुक्ला, डॉ. जय प्रकाश, हरजिंदर पाल लाली, नरेश उप्पल, मोनू खिंडा, मनप्रीत ग्रेवाल, साबी तूर, इकबाल सिंह सोनू, गुरमुख सिंह मिठू, गुरप्रीत सिंह गोपी, कृष्णा खरबंदा, जगदीश लाल, रिंकू मल्होत्रा, विनय वर्मा , टीटू नागपाल, रमन जंगदबा, बनू बहल, बलविंदर राजस्थानी, अमरजीत जीता, राज कुमार पप्पी, राज सभरवाल, विक्रम सहजल के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

डिजिशक्ति योजना के तहत छात्र-छात्राओं को वितरण किया स्मार्टफोन्स

अरविन्द कुमार यादव

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती - युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम करने की दिशा में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत महामाया राजकीय महाविद्यालय, श्रावस्ती में डिजिशक्ति योजना के तहत स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका विधायक रामफेरन पाण्डेय ने द्वीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 धर्मेन्द्र गुप्त ने मा0 विधायक को अंगवस्त्र व मोमेण्टो देकर

स्वागत किया। तत्पश्चात् मा0 विधायक ने शैक्षिक सत्र 2021-22 के बी.ए. तृतीय वर्ष के 49 छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन्स का वितरण किया। स्मार्टफोन पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस अवसर विधायक ने कहा कि देश एवं प्रदेश सरकार युवाओं के उज्वल भविष्य हेतु प्रतिबद्ध है। उनके बेहतर शिक्षा के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत आज युवाओं को स्मार्टफोन का वितरण किया जा रहा है। उन्होने कहा कि युवाओं का तकनीकी सामर्थ्य प्रदेश को तरक्की व खुशहाली के रास्ते पर ले जायेगा। उन्होने कहा कि छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कर एवं लैपटॉप व स्मार्टफोन देकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाया जा रहा है। उन्होंने मोबाइल फोन का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए छात्र-छात्राओं से आह्वान भी किया।इस अवसर पर नोडल अधिकारी स्मार्टफोन दुर्गा प्रसाद सिंह, डॉ श्याम नारायण वर्मा, डॉ उपेंद्र सोनी, डॉ आशुतोष मिश्र, दीनानाथ, माधवराव एवं लाभार्थी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. इन्दरबीर निज्जर ने 3.35 करोड़ रुपए के सड़क निर्माण और पार्क नवीनीकरण प्रोजेक्टों का किया उद्घाटन

सत पाल सोनी

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना - राज्य के औद्योगिक हब के तौर पर जाने जाते शहर लुधियाना में सड़कों के बुनियादी ढांचे और हरियाली को बढ़ावा देने के मद्देनज़र स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. इन्दरबीर सिंह निज्जर ने शनिवार को लगभग 3.35 करोड़ रुपए के अलग-अलग सड़क पुनर्निर्माण और पार्कों के नवीनीकरण सम्बन्धी प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। इन प्रोजेक्टों में 1.58 करोड़ रुपए की लागत के साथ हैबोवाल मैन पुली (बुड्ढे नाले पर पुल) से रेलवे लाईन तक सड़क का पुनर्निर्माण, हाल ही में पुरानी जी. टी रोड (नज़दीक छावनी मोहल्ला और मन्ना सिंह नगर) पर करीब 1 करोड़ रुपए की लागत के साथ बनाऐ गए पाँच पार्कों का उद्घाटन करना शामिल है। इसके साथ ही सैन जैन पब्लिक स्कूल नज़दीक किला मोहल्ला में करीब 77 लाख रुपए की लागत के साथ सड़क का पुनर्निर्माण भी शामिल है। लुधियाना उत्तरी हलके से विधायक मदन लाल बग्गा और लुधियाना केंद्रीय हलके से विधायक अशोक पराशर पप्पी के साथ मंत्री डॉ. इन्दरबीर सिंह निज्जर ने कहा

कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार शहर भर में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। इसी के अंतर्गत लुधियाना शहर में भी करोड़ों रुपए के प्रोजैक्ट लगाऐ जा रहे हैं। मंत्री डॉ. इन्दरबीर सिंह निज्जर ने हाल ही में मुरम्मत किये गए पार्कों में से एक पार्क का नाम साहिबज़ादा बाबा फतेह सिंह के नाम पर रखने के लिए विधायक बग्गा और अन्यों की सराहना की। डॉ. इन्दरबीर सिंह निज्जर ने बताया कि अधिकारियों को हिदायत की गई है कि वह निर्धारित समय में काम मुकम्मल करें और यह यकीनी बनाएं कि विकास कामों की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हो। डॉ. निज्जर ने कहा कि ज़मीनी स्तर पर लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचा और सहूलतें प्रदान करने के उद्देश्य के साथ शहर में बहुत से विकास प्रोजैक्ट चलाए जा रहे हैं।

इस मौके पर लुधियाना पश्चिमी के विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी, आत्म नगर के विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू, लुधियाना दक्षिणी से विधायक रजिन्दरपाल कौर छीना, लुधियाना पूर्वी के विधायक दलजीत सिंह भोला ग्रेवाल, साहनेवाल के विधायक हरदीप सिंह मुंडिआं, नगर निगम कमिशनर डॉ. स्नेहा अग्रवाल, लुधियाना इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट (लिट) के चेयरमैन तरसेम सिंह भिंडर, काऊंसलर राकेश पराशर आदि भी उपस्थित थे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

शासकीय अधिवक्तागण को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

लंकीन प्रसाद वर्मा

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती - पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में पुलिस कार्यालय के सभागार कक्ष में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस सम्मान समारोह में पुलिस अधीक्षक द्वारा 13 अभियोजन अधिकारीगण, शासकीय अधिवक्तागण व विशेष अभियोजन अधिकारीगणों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य है कि उक्त अधिकारीगणों द्वारा सेशन स्तर पर विगत 3 माह में बेहतर प्रभावी पैरवी कर ज्यादा से ज्यादा अभियोगों में सजा व बेल ख़ारिजा कराई गई। इनके द्वारा महिला संबंधी अपराधों, पास्को एक्ट, भा0द0वि0 व अन्य एक्ट के 1071 मामलों में अभियुक्तों को सजा कराई गई। उक्त अधिकारीगणों द्वारा अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन, क्षमता एवं कर्तव्य परायणता का उत्कर्ष प्रदर्शन किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी अधिकारी गणों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया और आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर अधिक से अधिक मामलों में अभियुक्तों को सजा दिलाए जाने हेतु बताया गया।

सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

प्रेमचंद जायसवाल

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा 1.फायर सर्विस चालक सोमप्रकाश (ऐच्छिक सेवानिवृत्त) व 2. मुख्य आरक्षी चालक शारदा प्रसाद के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार द्वारा सेवानिवृत्त हुए कर्मियों को शाल व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। तत्पश्चात प्रभारी प्रतिसार निरीक्षक, प्रधान लिपिक, प्रभारी आंकिक शाखा, पेशकार पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगणों द्वारा से0नि0 पुलिस कर्मी का माल्यार्पण किया गया। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा उनकी सेवाओं और उपलब्धियों की प्रशंसा की गई व उनके दीर्घायु होने की कामना की।

मोहनसती में हुई सैक्टर स्तर समीक्षा बैठक में बीजेपी पर किए तीखे प्रहार

योगेश मुदगल

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- आगामी लोक सभा एवं निकाय चुनाव को लेकर बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने विधान सभा मारहरा में सैक्टर स्तर समीक्षा एवं कैडर बैठक में बूथ प्रभारियों को मजबूत बनाने के लिए पार्टी की नीतियों के बारे का पाठ पढाया। इस दौरान उन्होने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला।

मुख्य अतिथि का कार्यकर्ताओं द्वारा फूलमाला के साथ गर्म जोशी से स्वागत किया गया। मारहरा के मोहनसती गांव में हुई सैक्टर स्तर की समीक्षा बैठक में आये बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने उपस्थित जनता को सम्बोधित करते हुए भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए बताया कि फी राशन, किसान सम्मान निधि का लालच देकर प्रदेश की मौजूदा सरकार बेरोजगार और महगाई को बढ़ावा देने वाली पार्टी बन गयी है. महगाई की मार से त्रस्त जनता ने निकाय चुनाव एवं लोक सभा चुनाव में बसपा को वोट देने का मन बना लिया है। जनता के मत से 2024 में गरीबों की बसपा पार्टी ही प्रदेश से भाजपा को भगाने का काम करेगी। उन्होने कहा, कि सम्मान निधि दे रही सरकार खाद की बोरी में पाच किलो खाद कम कर किसानों से ज्यादा अपना घर भर रही है। महिला सशक्तिकरण की बात करने वाली बीजेपी सरकार ने गैस सिलेंडर की कीमतें आसमान पर पहुंचा दीं हैं और सब्सिडी खुद खा रही है। बैठक में सैक्टर से लेकर बूथ प्रभारियों को गांव गांव जाकर जनता को बसपा की नीतियां पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सूरज सिंह, अशोक कुमार विजेन्द्र सिंह, राजवीर सिंह, सुखवीर सिंह, रामदास सविता, जिलाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह, डा0 सुबोध सक्सैना, भरत सिंह अम्बे, अखिलेश दिनकर रमेश चंद , विजय , आरिफ परवेज, योगेश शाक्य, प्रेमपाल सिंह, राधेश्याम, देवेन्द्र, नरेन्द्र, ललित दीपक प्रेमी, चन्द्र शेखर, राना, सम्राट गौतम, कैलाश चंद्र आदि सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

Arijit Singh touched Dhoni's feet in the opening ceremony, picture went viral on internet

Dhoni's team Chennai Super Kings had to face defeat in the match. Gujarat Titans beat CSK by five wickets. Batting first after losing the toss, Chennai scored 178 runs for seven wickets in 20 overs. In response, the Gujarat team achieved the target by losing five wickets in 19.2 overs. MS Dhoni is one of the most loved cricketers in the world and star singer Arijit Singh is also a big fan of the veteran wicket-keeper batsman. The two shared an emotional moment during the opening ceremony of the Indian Premier League (IPL) 2023 at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad on Friday. This picture is going viral on the internet. In the picture, Arijit can be seen touching Dhoni's feet. In fact, Arijit enthralled the fans with his hit songs during the opening ceremony. He was joined by actresses Rashmika Mandanna and Tamannaah Bhatia who also performed on hit songs. After the performance, all three were present on the stage for the trophy unveiling. Only then the captains of both the teams were called. First Chennai captain Dhoni reached the stage. As soon as he reached to Arijit, Arijit touched his feet. His style won the hearts of the fans. Dhoni immediately picked up Arjit and hugged him. Rashmika and Tamanna are also big fans of Dhoni and before the opening ceremony, both had expressed their desire to meet the former India captain. However, Dhoni's team Chennai Super Kings had to face defeat in the match. Gujarat Titans beat CSK by five wickets. Batting first after losing the toss, Chennai scored 178 runs for seven wickets in 20 overs. In response, the Gujarat team achieved the target by losing five wickets in 19.2 overs. Chennai had a bad start, Devon Conv could not do anything special and could score one run. Moeen Ali played an inning of 23 runs in 17 balls. At the same time, Rituraj Gaikwad played an excellent inning of 92 runs in 50 balls with the help of four fours and nine sixes, but he was dismissed before the century. Apart from this, Stokes got out after scoring seven runs, Rayudu 12 runs, Shivam Dubey 19 runs, Jadeja one run. Dhoni remained unbeaten after scoring 14 runs in seven balls. Shami, Rashid and Alzarri Joseph got two wickets each. In response, Gujarat started well. Wriddhiman Saha could score 25 runs in 16 balls. Shubman Gill and Sai Sudarshan shared a 53-run partnership for the second wicket. Sudarshan got out after scoring 22 runs. Captain Hardik Pandya could score eight runs. Vijay Shankar played an inning of 27 runs.

Shubman Gill was the highest run scorer for Gujarat. He played an inning of 63 runs in 36 balls with the help of six fours and three sixes. Rahul Tewatia remained unbeaten on 15 runs and Rashid Khan scored 10 runs. Hungergekar took the maximum three wickets for Chennai.

Shubman Gill's innings overshadowed Rituraj, Gujarat Titans dominated Chennai Super Kings

Defending champions Gujarat Titans started the IPL with a bang. He defeated four-time champions Chennai Super Kings by five wickets in the first match of the 16th season of the tournament on Friday (March 31). This is Gujarat's third consecutive win against Chennai. He had defeated CSK twice last season. Chennai is still waiting for the first win against this team. Gujarat captain Hardik Pandya won the toss in the match and decided to bowl first. Chennai Super Kings scored 178 runs for seven wickets in 20 overs. In response, Gujarat won the match by scoring 182 runs for five wickets in 19.2 overs. Rashid Khan was adjudged player of the match for scoring 10 runs off three balls as well as taking two wickets. Shubman Gill kept Gujarat in check Shubman Gill scored 63 off 36 balls to bring Gujarat closer to victory. He hit six fours and three sixes in his innings. He didn't let the wicket fall from one side. Shubman shared 37 runs for the first wicket with Wriddhiman Saha, 53 runs for the second wicket with Sai Sudarshan, 21 runs for the third wicket with captain Hardik and 27 runs for the fourth wicket with Vijay Shankar.Tewatia and Rashid ended the match - Vijay Shankar scored 27 off 21 balls, Wriddhiman Saha scored 25 off 17 balls and Sai Sudarshan scored 22 off 17 balls. Captain Hardik Pandya was dismissed after scoring eight runs. Rahul Tewatia remained unbeaten on 15 off 14 balls and Rashid Khan scored 10 off three balls. Both of them shared an unbeaten 26-run partnership on eight balls for the sixth wicket to give the team victory. Rajvardhan Hungergekar took three wickets for Chennai. At the same time, Ravindra Jadeja and Tushar Deshpande got one success each. Gaikwad scored the maximum 92 runs for Chennai. Apart - Rituraj Gaikwad scored the from him, Moin Ali played an inning of 23 runs. Dhoni hit a four and a six in the last over to take the team's score to 178 for seven. He scored 14 runs in seven balls. Rashid Khan, Alzarri Joseph and Mohammed Shami took two wickets each for Gujarat. At the same time, Joshua Little got a wicket. Dhoni's craze continued -- Dhoni-Dhoni's echo was heard continuously in the Narendra Modi Stadium. He landed at the crease after the dismissal of Ravindra Jadeja on the fourth ball of the 18th over. He hit a six and a four off Joshua Little in the last over. Dhoni scored an unbeaten 14 runs in seven balls. His strike rate was 200. When Dhoni hit the third ball of the 20th over for a six, the whole stadium was in jubilation. Tushar Deshpande 1st Impact Player - Chennai fast bowler Tushar Deshpande became the first 'Impact Player' in the tournament's history. He was dropped at the time of bowling in place of veteran batsman Ambati Rayudu. However, Tushar's performance was nothing special. He looted 51 runs in 3.2 overs. He could only take one wicket. Talking about Gujarat, he made Sai Sudarshan an impact player. Sudarshan replaced the experienced Kane Williamson. Williamson could not bat due to injury.

Rashmika-Tamanna danced, Dhoni-Hardik danced on Arijit's songs

The opening ceremony of IPL 2023 was spectacular. Arijit Singh, Tamannaah Bhatia and Rashmika Mandanna enthralled the fans with their performances. After the opening ceremony, Chennai captain Mahendra Singh Dhoni and Gujarat Titans captain Hardik Pandya came on stage. Both the captains pose in front of the IPL 2023 trophy along with BCCI President Roger Binny, Secretary Jay Shah, Rashmika Mandanna, Tamannaah Bhatia and Arjit Singh. The first match of IPL is between Gujarat Titans and Chennai Super Kings. The opening ceremony started with a great performance by Arjit Singh. He tied the knot with the song 'Aye Watan Mere Watan' from the film Raazi. After this, he won the hearts of all the fans with the song 'Lehra Do' from the 1983 film and the song 'Kesariya Tera Ishq Hai Piya' from Brahmastra. He drank Channa Mere, Kabira, Apna Bana Le Piya, Tujhe Kitna Chahne Lage Hum, Jhoome Jo Pathan, Shiva, Ya Main Galat, Pyaar Hota Kaibar Hai, Tere Pyaar Mein, Ghungroo Tut Gaye, Raabta, Elahi, Haween, Deva-Deva Also sang the song India Jeetega. Fans kept swinging in the ground on Arijit Singh's scintillating voice. Gujarat captain Hardik Pandya and Chennai captain Mahendra Singh Dhoni were also seen dancing to Arijit's song. Mandira Bedi took over the responsibility of anchoring the opening ceremony of this IPL. She was seen anchoring in IPL after a long time. Fans were delighted to see her anchoring Tamannaah Bhatia performing on the song Tum Tum from the Telugu film Anime. After this he also performed on the songs Desire, Oo Antawan. Tamannaah Bhatia performed for Gujarat Titans team.Shmika Mandanna performed for Chennai Superkings on the song from South Indian film. After this he also gave his performance on the songs Shrivalli, Naatu Naatu.

Salman Khan was seen posing with Suhana-Aryan and Gauri, people said- 'If Bhaijaan would have married on time'

Bollywood stars ooze glamor at the Neeta and Mukesh Ambani cultural launch event. Aishwarya Rai, Salman Khan and Shah Rukh's family attended this special event of the Ambani family. When it came to pose in front of the media, people were shocked to see that Aryan, Suhana and Gauri were not accompanied by Shahrukh Khan but Salman Khan. Salman posed with Shah Rukh's family - It happened that Salman Khan appeared in all

black at Neeta and Mukesh Ambani's cultural launch event. When he comes for a photoshoot in front of the media, he calls Shahrukh Khan's son Aryan Khan who is passing by. Then both pose. Shahrukh was nowhere to be seen in this event, but his absence was filled by Gauri and the children. Salman Khan seen with Gauri - It is clearly visible in the second video that Gauri was posing with Suhana and Aryan when her eyes fell on Salman Khan. He called Gauri and then posed with Shah Rukh Khan's entire family. While Suhana looked sizzling in a red gown, Gauri also made a stylish entry at the event. People taunted- Salman Khan's posing with Shah Rukh Khan's family on social media is becoming quite viral. While the fans are praising Salman Khan fiercely, there are some who are telling him that if he had got married on time today, you too would have been posing like this with your family. Bhaijaan's cameo was in Pathan- Tell that recently Shah Rukh Khan and Salman Khan were seen together in the film Pathan. Bhaijaan was in his tiger getup and was seen performing dangerous stunts on a moving train to save Pathan. Now it's Shah Rukh's turn who will also be seen doing a cameo in Tiger 3 on Salman's call.

Yes, my dream is to become a director, but before that I have to do a lot of net practice

The stature that its heroine Mrinal Thakur has achieved in Indian cinema with the film 'Sita Ramam' is achieved only by rare artists. Her journey from small screen to big screen has been quite an illuminating one. An interesting conversation by Mrunal Thakur from 'Amar Ujala'. Did you ever think that you would be among the top actresses of Indian cinema? It took me 10 years to get 'Seetha Ramam'. I want that the thinking of Indian cinema actresses should change. There are many such films in which people want to see their favorite actresses. As an actor, I try to do films of all genres. I don't like repetition and the audience doesn't like it anymore. It is just a small effort from my side to do something different every time. Did you study journalism then acting? - A family friend of mine is a news anchor in a Marathi channel. The reporting he did on the terrorist attack on Mumbai. I was very impressed by that. I wanted to become a crime reporter. It could not be made in reality, but it would have been nice if I got the same role in the film 'Batla House'. I also played the role of a news anchor in the film 'Dhamaka'. Now the film 'Gumrah' which is about to release is also a crime thriller. Actresses coming from Marathi background have ruled Hindi cinema in different times, did you have any similar preparation? I am Marathi, so my parents wanted me to start with Marathi films. My first Marathi film was 'Hello Nandan', after that I worked in two more Marathi films.

During this time I met Adinath Kothare. He was seen in the film '83 with Ranveer Singh and we met in 2012. I just put my mind to it and learned a lot by watching others. I believe that well-planned preparations pay off. And, to whom would you like to give the credit for the first Hindi film 'Super 30'? Mukesh Chhabra chose me for that film. It was about that time when I had shot for the film 'Love Sonia' but the film could not be released. I had only five scenes in 'Super 30' but I had so much faith in my mind that yes, I have to leave a mark! 'Sita Ramam' has been the best film of your career, how did you get this film? You will not believe this story. I was at the Melbourne Film Festival for the screening of 'Love Sonia'. Nikhil Advani was on the jury. I auditioned for his film 'Satyamev Jayate'. Nag Ashwin Sir's Telugu film 'Mahanati' was also screened at the festival. When Nagi sir saw my film 'Love Sonia', he suggested my name for 'Seeta Ramam' to the director of the film, Hanu Radhavapudi, and only after watching 'Love Sonia', Nikhil Advani gave me the opportunity to work in the film 'Batla House'. People saw your different side in 'Selfie' and before that in Jersey too, we hear that you also have a desire to become a director? I did that song in the film 'Selfie' just to show my glamorous avatar. As far as 'Jersey' is concerned, I want to do every character in which I get to do something new as an actor, in which there is a challenge to do something. As far as becoming a director is concerned, yes, I have a dream to become a director. But, before that I have to do a lot of net practice. I believe that whatever work you do in life, do it with your heart. And, do only those things for which you are fully prepared. It is not right to do something just for the sake of doing nothing. In terms of directors, I also wish that the number of women directors should increase in Indian cinema. Only a woman director is able to present the sentiments of a woman on screen with full expressions.

Apoorva Agnihotri told Bigg Boss scripted, said - the winner changes at the last moment

Apoorva Agnihotri, a well-known artist of the TV industry, remains very active on social media. He has recently called the controversial reality show Bigg Boss scripted in his vlog. In this vlog, Apoorva and his wife Shilpa talk about Bigg Boss season seven. Both the actors were seen in season seven during that time. In this blog, he has shared some things and incidents regarding his stay in Bigg Boss season seven. Shilpa said Bigg Boss is not scripted - During this vlog, Apoorva asks Shilpa whether Bigg Boss is scripted or not, to which his wife

replies that Bigg Boss is not scripted but everyone knows that if I see the What do you have to do if you want to become a person? React to them, be satisfied, fight and keep your word. What to do if the personality is not like this. Apoorva says Bigg Boss is scripted – Although Apoorva disagrees saying that Bigg Boss is scripted. The channel knows who will react and how, and hence people have started predicting in the recent seasons, and the makers are forced to change things in the end. So that he can surprise everyone by the name of the winner. We saw this in the recent season, else everyone knows she is the channel face (referring to Priyanka Chahar Chowdhary) so she would have been the winner. So I believe it is scripted to some extent. MC Stan won Bigg Boss season 16- In season 16 of Bigg Boss, Priyanka Chahar Chowdhary, Shiv Thackeray and MC Stan were in the top three. Everyone wanted to see Priyanka emerge as the winner and the audience had also predicted about it. Although the actress became the second runner up and MC Stan became the winner of this season. Couples are seen on social media- Let us tell you that couples have been running away from the TV world for a long time. These days both Apoorva and Shilpa are seen on social media.

Rani Chatterjee surprised everyone with Shiv Tandav, the fierce form of the actress was seen in the video

Bhojpuri actress Rani Chatterjee has shared a video of a Shiv Tandav, which is going viral on social media. Bhojpuri actress Rani Chatterjee remains very active on social media. She often shares photos and videos on her Instagram. He recently shared a video from the sets of his serial. In this video, the actress is seen doing tandav. The actress is wearing a green saree during the dance. Also well done makeup. Her fans are also quite surprised to see the orgy of the actress in saree. Rani is showing her dance moves in this video. Video of Shiv Tandav

shared on Instagram This video of Rani Chatterjee is becoming quite viral on social media. Sharing the video, the actress has written in the caption – Must watch the episode of Dangal TV show, Mastamouli 6:30 Bas Kuch Dar Bache Hai, don't miss today's episode. Upcoming episodes I am very excited for this Shiv Tandav, The princess is angry, Choreographed by Ashwin master ji. In the video, Rani is continuously doing Shiva Tandav in anger and dry leaves are flying all around. His look in the video is also very impressive. The actress is repeatedly asking her fans to watch the upcoming episodes. Along with this, she is also looking very excited about Shiv Tandav. Let us tell you that these days Rani is seen in Dangal TV show Mastamauli. Rani spoke openly on Akanksha Dubey - Rani Chatterjee is one of the well-known actresses of Bhojpuri. She remains very active on social media. At the same time, after the suicide of Akanksha Dubey, the actress had openly expressed many things about the Bhojpuri industry. Even before this, the actress has been seen speaking her words openly in front of everyone with impunity. He revealed the dark truth of Bhojpuri industry after Akanksha's death.